मंगलवार, 26 अगस्त 2025

मौसम

तापमान 26 – 33
आर्द्रता 76%
सूर्योदयः 5:12 सूर्यास्तः 18:01

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, भाद्रपद शुक्लपक्ष तृतीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

त्योहारों का श्री गणेश, बाप्पा की मूर्ति को पंडालों में स्थानांतरित करने का कार्य प्रगति पर

सुविचार : सपने के लिए बिना मेहनत नींद और लक्ष्य के बिना नींद की मेहनत चाहिए।

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

असम से 36 बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा गया: हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य के दो जिलों से 36 बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा गया है। शर्मा ने कहा कि ऐसे लोग मूल निवासियों के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और उन्हें उनके मूल स्थान वापस भेज दिया जाएगा। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''36 अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को श्रीभूमि और दक्षिण सलमारा से बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है।'' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि घुसपैठियों को कब वापस भेजा गया। शर्मा ने कहा, ''ये अवैध घुसपैठिए हमारी जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं और मूल निवासियों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें वापस उनके मूल स्थान पर भेज दिया जाएगा।''

शिक्षक भर्ती घोटाला : अब ईडी ने तृणमूल विधायक को किया गिरफ्तार

- अधिकारियों ने जीबनकृष्ण साहा व उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर मारे छापे
- दीवार फांदकर भागने की कोशिश, मोबाइल झाड़ियों में फेंका

6 दिनों की हिरासत

रेड के बीच विधायक की फरारी नाकाम

कोलकाता, समाज्ञा : अब ईडी ने स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में सोमवार को राज्य के मुर्शिदाबाद जिले के बड़ंचा विधानसभा क्षेत्र से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीबनकृष्ण साहा को गिरफ्तार किया। इससे पहले ईडी की टीम ने टीएमसी विधायक और उनके कुछ रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, ईडी अधिकारियों द्वारा छापेमारी के बाद साहा ने घर से भागने की कोशिश की और अपना फोन एक झाड़ी में फेंक दिया। हालांकि, ईडी अधिकारियों ने उन्हें भागने से रोक लिया और उनका मोबाइल फोन भी बरामद कर उसे जब्त कर लिया। इसके बाद, टीएमसी विधायक को कोलकाता लाया गया। यहां साहा को मेडिकल जांच के बाद कोलकाता की विशेष अदालत में पेश किया गया था। कोलकाता की विशेष अदालत ने उन्हें छह दिन की ईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 2023 में भी सीबीआई के अधिकारियों द्वारा उनके घर पर छापेमारी के बाद तृणमूल विधायक ने सुबूत मिटाने के लिए अपने दो मोबाइल फोन एक तालाब में फेंक दिए थे। जानकारी के अनुसार, इस दिन, ईडी की टीम ने कोलकाता समेत मुर्शिदाबाद, बीरभूम जिले के कई स्थानों पर छापेमारी की। साहा के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जिले के आंदी स्थित उनके आवास पर छापेमारी की गई। ईडी की टीम के साथ केंद्रीय बल के जवान भी थे। सूत्रों के मुताबिक, जांच अधिकारियों ने जिले के रघुनाथगंज के पियारापुर स्थित टीएमसी विधायक के ससुराल में भी तलाशी अभियान चलाया। इसके अलावा, बीरभूम के साईंथिया में जीबनकृष्ण साहा की मौसी तथा टीएमसी की पार्षद माया साहा के आवास पर भी छापेमारी की गई। वहीं, मुर्शिदाबाद के महिषग्राम में बैंक कर्मचारी राजेश घोष के आवास पर भी छापेमारी की गई।

किसानों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे: मोदी

चाहे कितना भी दबाव क्यों न आए, हम अपनी ताकत बढ़ाएंगे

- 'भारत में निर्मित' सामान खरीदने व बेचने की अपील की

अहमदाबाद : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की शुरुआत से दो दिन पहले सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ''हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन कर लेंगे। मोदी ने बिना किसी का नाम लिए जोर देकर कहा कि दुनिया में राजनीति अब मुख्यतः आर्थिक हितों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां हर कोई सिर्फ अपने बारे में ही सोचता है। उन्होंने स्वदेशी पर जोर दिया और महात्मा गांधी का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे में, मैं छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों से कहना चाहता हूं कि मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है। मेरी सरकार आपके हितों से कभी समझौता नहीं करेगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम उसे सहन करेंगे। लेकिन आपके हितों को कभी नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने भारत से अपने प्रमुख निर्यात बाजार में आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की समयसीमा 27 अगस्त तय की है। दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे मोदी अहमदाबाद शहर के निकोल क्षेत्र में दो किलोमीटर लंबा रोड शो और कई परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत शक्ति व सुरक्षा के प्रतीक सुदर्शन चक्रधारी मोहन भगवान श्रीकृष्ण और चरखाधारी मोहन महात्मा गांधी के मार्ग पर चलकर सशक्त हो रहा है। महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे और उन्होंने चरखे से स्वदेशी का प्रचार किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर हमारे सैनिकों की वीरता व सुदर्शन चक्रधारी मोहन के भारत के दृढ़ संकल्प का प्रतीक था। उन्होंने कहा दिवाली समेत आगामी त्योहारों के मद्देनजर दुकानदारों और व्यापारियों से केवल 'भारत में निर्मित' सामान खरीदने के मंत्र का पालन करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा, व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगाना चाहिए, जिस पर लिखा हो कि वे केवल 'स्वदेशी' सामान बेचते हैं। इन त्योहारों से समृद्धि के द्वार खुलेंगे। स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत, 'विकसित भारत' का मार्ग प्रशस्त करेंगे। अपने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने और कीमतें कम करने पर ध्यान दें।

एससी-एसटी सूची में गड़बड़ी की शिकायतों पर ममता सख्त

मुख्य सचिव को दिया जांच का निर्देश

- ममता ने मंत्रियों को आदिवासी क्षेत्रों का अधिक से अधिक दौरा करने को कहा
- आदिवासी विकास परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए कई निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) सूची में कथित गड़बड़ी व अपात्र लोगों के नाम शामिल होने की शिकायतों पर सोमवार को नाराजगी व्यक्त की। राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित आदिवासी विकास परिषद की उच्चस्तरीय बैठक में उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत को इस बात की जांच का निर्देश दिया कि सूची में अपात्र लोगों के नाम क्यों हैं। मुख्यमंत्री ने यह कदम राज्य के कुछ हिस्सों में फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनाए जाने की शिकायतों के बाद उठाया है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कई जिलों से इस बात की शिकायत मिली है कि कुछ लोगों ने धोखाधड़ी करके जाति प्रमाणपत्र बनवा लिए हैं, जबकि कई वास्तविक आदिवासी परिवार अब भी प्रमाणपत्र से वंचित हैं। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मौजूद वन मंत्री बीरबाहा हांसदा ने भी मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री को इस विषय पर एक लिखित ज्ञापन सौंपते हुए शिकायत की कि एससी-एसटी सूची में कई अपात्रों के नाम रह गए हैं। उन्होंने सूची के पुनरीक्षण की मांग की। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को राज्य में एससी-एसटी की तालिका का फिर से मूल्यांकन व पूरे मामले की जांच करने का निर्देश दिया।

'आदिवासी अपने अधिकारियों से वंचित न हों'

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि अपात्र लोगों के नाम सूची में नहीं होने चाहिए। साथ ही, उन्होंने इस मामले में एक रिपोर्ट भी मांगी है। मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि आदिवासी लोगों को उनके वन अधिकारियों से वंचित न किया जाए और उनकी जमीन न छीनी छाए। ममता ने कहा कि जो असल हकदार हैं, उन्हें न्याय मिले और जिन्होंने फर्जीवाड़ा किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। सभी जिलाधिकारियों को इस बाबत स्पष्ट आदेश जारी करने का उन्होंने निर्देश दिया। ममता ने कहा कि आदिवासी समाज बंगाल की असली जड़ें हैं। आदिवासी समाज के योगदान को नमन करते हुए ममता ने कहा कि उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों की रक्षा करना सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का कर्तव्य है। मैं इस समाज के साथ हूं और सदा रहूंगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में आदिवासी समुदाय से आने वाले मंत्रियों को आदिवासी बहुल क्षेत्रों का अधिक से अधिक दौरा करने और लोगों से संवाद स्थापित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में आदिवासी समुदाय से आने वाले राज्य सरकार के चारों मंत्री बीरबाहा हांसदा, ज्योत्सना मंडी, बुलुचिक बड़ाइक और संध्या रानी टुडू मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने चारों मंत्रियों से कहा कि कि वे स्वयं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जाएं, लोगों से संवाद करें, और जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत की रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपें। मुख्यमंत्री ने दो-हराया कि योजनाएं कागज पर नहीं, धरातल पर दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो योजना बनी है, उसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जाएं, योजनाओं का लाभ दें, शिकायतें सुनें और समाधान करें।

आमंत्रण के बावजूद भाजपा सांसद बैठक में नहीं पहुंचे

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य सरकार की ओर से मालदह उत्तर से भाजपा सांसद खगेन मुर्मु को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे बैठक में शामिल नहीं हुए। नवान्न सूत्रों के अनुसार, बैठक में आमंत्रित सदस्य के रूप में दो भाजपा नेताओं को आमंत्रण पत्र भेजा गया था। इसमें खगेन मुर्मु के अलावा अलीपुर से पूर्व सांसद व भाजपा नेता दशरथ तिर्की शामिल हैं। भाजपा नेताओं के उपस्थित नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बात जब समाज के विकास की हो, तो राजनीति पीछे होनी चाहिए। यह बैठक किसी राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के हक की है। सभी जनप्रतिनिधियों को शामिल होना चाहिए था।

अलचिकी भाषा में प्रश्नपत्र क्यों उपलब्ध नहीं कराए गए : ममता

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से झाडग्राम जिले में अलचिकी भाषा में प्रश्नपत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर भी सवाल किया। ममता ने कहा कि राज्य सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि आदिवासी छात्रों को मातृभाषा में शिक्षा और परीक्षा देने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने इसकी जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए और संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब करने को कहा।

आरएसएस की व्याख्यान श्रृंखला आज से

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के दौरान विपक्षी नेताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को संबोधित करेंगे और विभिन्न विषयों पर संगठन के विचार एवं परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम का विषय 'आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा: नए क्षितिज' है। इसका विभिन्न मीडिया और सोशल मीडिया मंच पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार एवं मीडिया प्रमुख सुनील आंबेकर ने कार्यक्रम के बारे में संवाददाताओं को बताया कि तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला के दौरान भागवत समाज की विभिन्न ''प्रतिष्ठित हस्तियों'' के साथ 'संवाद' करेंगे और देश के सामने मौजूद 'महत्वपूर्ण मुद्दों' पर अपने विचार रखेंगे।

ईडी ने छांगुर बाबा के सहयोगी की 13 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश में कथित अवैध धर्मांतरण रैकेट की जांच के तहत छांगुर बाबा के सहयोगी की पत्नी नीतू रोहरा की 13 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां धनशोधन रोधी कानून के तहत कुर्क की हैं। ईडी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एजेंसी द्वारा जारी बयान के अनुसार, कुर्क की गई कुल 13 अचल संपत्तियां बलरामपुर जिले के उतरौला में स्थित हैं। नीतू रोहरा, छांगुर बाबा के करीबी सहयोगी नवीन रोहरा की पत्नी है। छांगुर बाबा और नवीन दोनों इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के मुताबिक, यह प्रकरण लखनऊ के गोमती नगर थाने में उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। इसमें भारतीय दंड संहिता की धाराओं और 2021 के उत्तर प्रदेश अवैध धर्मांतरण निषेध अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। ईडी ने दावा किया कि छांगुर बाबा और नवीन रोहरा ने ''सुनियोजित षड्यंत्र'' के तहत दुबई स्थित यूनाइटेड मरीन एफजेडई कंपनी के जरिये अज्ञात व संदिग्ध स्रोतों से 21.08 करोड़ रुपये भारत लेकर आए। इसने कहा कि इन पैसों से नीतू रोहरा के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदी गईं।

गाजा के अस्पताल पर इजराइली हमले में चार पत्रकारों समेत 19 लोगों की मौत

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी) : दक्षिणी गाजा के एक प्रमुख अस्पताल पर इजराइली हमले में 19 लोगों की मौत हुई है, जिनमें चार पत्रकार शामिल हैं। चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पहला हमला नासेर अस्पताल की एक इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर हुआ। नासेर के शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. अहमद अल-फर्रा ने बताया कि कुछ ही मिनटों बाद, जब नारंगी जैकेट पहने पत्रकार और बचावकर्मी बाहरी सीढ़ियों से घटनास्थल की ओर जा रहे थे, तो उसी स्थान पर दूसरी मिसाइल आकर गिरी। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में सबसे बड़ा नासेर अस्पताल 22 महीने के युद्ध के दौरान हमलों और बमबारी को झेलता रहा है, तथा अधिकारियों ने आपूर्ति और कर्मचारियों की गंभीर कमी का हवाला दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड विभाग के प्रमुख ज़हीर अल-वहीदी के अनुसार, नासेर अस्पताल पर हमले में कुल 19 लोग मारे गए।

उपराष्ट्रपति चुनाव: किसी उम्मीदवार ने नाम वापस नहीं लिया, राधाकृष्णन और रेड्डी के बीच मुकाबला तय

नयी दिल्ली : उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दोनों उम्मीदवारों में से किसी के भी नाम वापस न लेने के कारण सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन और विपक्ष के प्रत्याशी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच नौ सितंबर को होने वाले चुनाव में सीधा मुकाबला होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस बार के उपराष्ट्रपति चुनाव को ''दक्षिण बनाम दक्षिण'' की लड़ाई बताया जा रहा है, क्योंकि दोनों ही दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं, जबकि रेड्डी तेलंगाना से। चुनाव में नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख (25 अगस्त) के बाद सुदर्शन रेड्डी और सी पी राधाकृष्णन अब मैदान में हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा महासचिव पी सी मोदी ने एक बयान में कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव, 2025 के लिए मतदान मंगलवार, नौ सितंबर, 2025 को कमरा संख्या एफ-101, वसुधा, संसद भवन, नयी दिल्ली में होगा। आगामी नौ सितंबर को मतदान सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। राज्यसभा सचिवालय के बयान में कहा गया है, ''भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी निर्वाचक मंडल में शामिल होने के पात्र हैं और इसलिए वे चुनाव में भाग लेने के हकदार हैं।'' इसमें यह भी कहा गया है, ''संसद भवन में मतदान की व्यवस्था 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी द्वारा की जा रही है।''

मोदी की डिग्री की जानकारी सार्वजनिक करने संबंधी सीआईसी का आदेश दिल्ली उच्च न्यायालय ने खारिज किया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने इसे ''व्यक्तिगत जानकारी'' करार देते हुए कहा कि इसमें कोई 'स्पष्ट जनहित निहित' नहीं है, जिससे इसे सार्वजनिक किया जाए। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने सीआईसी के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की याचिका पर यह फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायाधीश ने कहा, ''कुछ ऐसा जो जनता की जिज्ञासा का विषय हो'' और ''कुछ ऐसा जो जनता के हित में हो'' ये दोनों बिल्कुल अलग बातें हैं। नीरज नामक एक व्यक्ति द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन के बाद, सीआईसी ने 1978 में बीए (कला स्नातक) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की 21 दिसंबर, 2016 को अनुमति दे दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह परीक्षा वर्ष 1978 में ही उत्तीर्ण की थी।

अपराध के पीड़ित, उनके उत्तराधिकारी आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ अपील कर सकते हैं: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अपराध के पीड़ित, उनके कानूनी उत्तराधिकारी अभियुक्तों को बरी किए जाने के खिलाफ अपील दायर कर सकते हैं। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अपराध के शिकार व्यक्ति का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है उतना ही सजा पाए आरोपी के अधिकार को भी महत्व दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''हमारा मानना है कि पीड़ित को कम गंभीर अपराध के लिए दोषसिद्धि के खिलाफ, अपर्याप्त मुआवजा दिए जाने के खिलाफ या यहां तक कि बरी किए जाने के मामले में भी अपील करने का पूरा अधिकार है... जैसा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 372 के प्रावधान में कहा गया है।''

शिक्षण संस्थानों में दस लाख पद खाली

यह देश की विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकारें कामचलाऊ नीतियों के भरोसे ही रहती हैं। एक तरफ देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में दस लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं, वहीं देश में अथाह बेरोजगारी बनी हुई है। निस्संदेह, बच्चों की प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा की बुनियाद होती है, यदि बुनियाद ही कमजोर होगी तो राष्ट्र की इमारत कैसे मजबूत होगी? हाल ही में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और खेल मामलों की स्थायी समिति ने खुलासा किया कि देश के शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के दस लाख पद खाली हैं। विडंबना यह है कि पांच साल पहले भी शिक्षामंत्री ने देश में दस लाख साठ हजार शिक्षकों के पद रिक्त होने की बात कही थी। यह भी जानकारी सामने आयी है कि वर्ष 2019 से इन पदों पर भर्ती हुई ही नहीं है। यानी आधे दशक में हम इस दिशा में कुछ भी करने में नाकाम रहे हैं। विडंबना यह है कि पिछले साल आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि देश में एक लाख ऐसे प्राथमिक विद्यालय हैं जहां एक ही शिक्षक नियुक्त है। सोचा जा सकता है कि एक शिक्षक कैसे सभी कक्षाओं के बच्चों को सारे विषय पढ़ाता होगा? विसंगति यह भी है कि इतने शिक्षकों की कमी के बावजूद सेवारत शिक्षकों को विभिन्न सरकारी अभियानों का जिम्मा भी दिया जाता है। जिसका खमियाजा छात्र की भुगतते हैं। आखिर हम अपनी प्राथमिक शिक्षा की ये कैसी बुनियाद रख रहे हैं?

चिंताजनक स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों को समय की जरूरत के हिसाब से पर्याप्त बजट नहीं मिल पाता। स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव रहता है। कोरोना संकट ने सरकारी शिक्षण व्यवस्था की पोल खोली थी कि गिने-चुने स्कूलों में ही कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध थी। एक ओर देश के निजी स्कूलों में एआई और आधुनिक शिक्षण तकनीकों से ज्ञान दिया जा रहा है, वहीं सरकारी स्कूल शिक्षकों के लिये भी तरस रहे हैं। इन स्कूलों के पाठ्यक्रमों को समय की चाल में नहीं ढाला जा सका है। वहीं कौशल विकास की शिक्षा देना तो दूर की कौड़ी है। आखिर हम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का कैसा भविष्य बना रहे हैं? क्या वे स्कूल-कालेजों से निकलकर वैश्विक चुनौतियों के साथ कदमताल कर पाएंगे? हम अपने छात्रों को वह आधुनिक ज्ञान नहीं दे पा रहे हैं जो आगे चलकर उन्हें बेहतर जीवनयापन के अवसर दे सके। सही मायनों में हम सरकारी स्कूलों के नाम पर बीमार भविष्य के कारखाने चला रहे हैं। जो कालांतर छोटी-मोटी नौकरी ही पा सकते हैं या फिर बेरोजगारी की अंतहीन शृंखला में खड़े हो जाते हैं। वहीं सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम को भी समय की जरूरत के हिसाब से नहीं ढाला जा रहा है। उलटे पाठ्यक्रमों को राजनीतिक दलों की विचारधारा के हिसाब से ढालने का उपक्रम लगातार किया जाता रहा है। निश्चय ही ये स्थितियां इन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही कही जाएंगी। अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि हम भारत का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं।

खुशहाली का पर्व है हरितालिका तीज

बाल मुकुंद ओझा

भारत तीज त्योहारों का देश है। हमारी संस्कृति तीज-त्योहारों, पर्व-उत्सवों से सजी है। हरितालिका तीज का त्योहार उत्तर भारत के राज्यों में बड़े ही धूम धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। विवाहित महिलाओं के बीच यह लोकप्रिय त्योहार में से एक है। हरितालिका तीज सुहाग का पर्व है। पौराणिक मान्यता है कि हरतालिका तीज को सबसे बड़ी तीज माना जाता है। सावन में हरियाली तीज और कजरी तीज के बाद अब भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का पर्व देशभर में हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। यह पर्व महिलाओं के सबसे प्रिय पर्वों में से एक है। इस दिन सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए और कुंवारी युवतियां अपने मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए तीज का व्रत रखती हैं। तीज का व्रत सबसे कठिन व्रतों में से एक माना गया है। इस व्रत का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। यह व्रत दांपत्य जीवन को खुशहाल बनाता है।

हरितालिका तीज को हिंदू समुदाय में सबसे पवित्र दिनों में से एक माना जाता है। यह हर साल भाद्रपद के शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन पड़ता है। पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि 25 अगस्त 2025 को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से आरंभ होगी और 26 अगस्त 2025 को दोपहर एक बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए हरितालिका तीज इस साल 26 अगस्त मंगलवार को मनाई जाएगी। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 56 मिनट से शुरू होकर 8 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। यह कुल 2 घंटे 35 मिनट का होगा। इस दौरान महिलाएं विधिवत पूजन कर मनचाहा वरदान प्राप्त करने की कामना करती हैं।

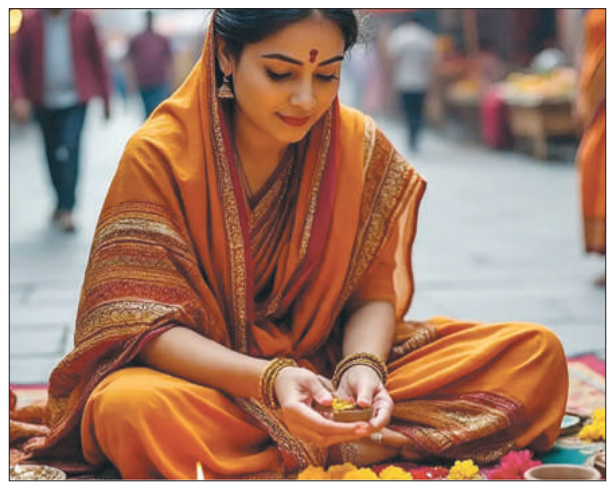

इस दिन लोग भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद लेने के लिए उनकी पूजा करते हैं। यह व्रत विवाहित और अविवाहित महिलाएं करती हैं। अविवाहित महिलाएं मनचाहा वर पाने के लिए व्रत रखती हैं और विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए उपवास रखा था और यह दिन उनके मिलन का प्रतीक है। यह त्योहार मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है।

मान्यता है इस दिन घर की साफ-सफाई कर अच्छे से सजाना चाहिए। पूजा शुरू करने से पहले एक चौकी पर मिट्टी में गंगा जल मिलाकर शिवलिंग, भगवान गणेश, माता पार्वती की प्रतिमा बनाएं। इसके बाद एक थाली में सुहाग की सामग्री जिसमें बिंदी, सिंदूर, चूड़ी, मेहंदी, नेल पॉलिश, अक्षत, धूप, दीप, गंधक आदि सजाकर अर्पित करें। भगवान शिव को उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाकर शिव और पार्वती की आरती करनी चाहिए।

कथा के अनुसार माता गौरी ने पार्वती के रूप में हिमालय के घर पुनर्जन्म लिया था। माता पार्वती बचपन से ही शिव को वर के रूप में पाना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने कठोर तप किया। एक दिन नारद जी पहुंचे और हिमालय से कहा कि पार्वती के तप से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु उनसे विवाह करना चाहते हैं। यह सुन हिमालय बहुत प्रसन्न हुए। दूसरी ओर नारद मुनि विष्णुजी के पास पहुंच गए और कहा कि हिमालय ने अपनी पुत्री पार्वती का विवाह आपसे कराने का निश्चय किया है। इस पर विष्णुजी ने भी सहमति दे दी।

नारद इसके बाद माता पार्वती के पास पहुंच गए और बताया कि पिता हिमालय ने उनका विवाह विष्णु से तय कर दिया है। यह सुन पार्वती बहुत निराश हुईं और पिता से नजरें बचाकर सखियों के साथ एक एकांत स्थान पर चली गईं और सुनसान जंगल में पहुंचकर माता पार्वती ने एक बार फिर तप शुरू किया। उन्होंने रेत से शिवलिंग का निर्माण किया और उपवास करते हुए पूजन शुरू किया। भगवान शिव इस तप से प्रसन्न हुए और मनोकामना पूरी करने का वचन दिया। इस बीच माता पार्वती के पिता पर्वतराज हिमालय भी वहां पहुंच गए। वह सत्य बात जानकर माता पार्वती की शादी भगवान शिव से कराने के लिए राजी हो गए। शिव कहते हैं, 'हे पार्वती! तुमने जो कठोर व्रत किया था उसी के फलस्वरूप हमारा विवाह हो सका। इस व्रत को निष्ठा से करने वाली स्त्री को मैं मनोवांछित फल देता हूं।

-वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

व्यंग्य : कुत्ता प्रसंग और युधिष्ठिर

प्रमोद भार्गव

आज कल न्यायालय से सड़क तक कुत्ता प्रसंग चल रहा है। यह गोवंश को बचाने से कहीं ज्यादा अहम् हो गया है। अब अह्म तो दोनों ही हैं, गाय दूध के लिए माता कही जाती है और कुत्ता आदमी का वफादार मित्र है। उसकी यही कृतज्ञता के फलतः महाभारत युग में धर्मराज युधिष्ठिर अपने अनुजों के साथ भक्त कुत्ते को भी स्वर्गारोहण के लिए ले गए थे। जैसे कुत्ता न हुआ शरीर का कोई अभिन्न हिस्सा हुआ।

आवारा और अनाथ बच्चों के आश्रयों की तरह देश में पशु-आश्रय स्थल भी बन गए हैं। इनमें आवारा, कटखना, खोए हुए कुत्तों और बिल्लियों को शरण दी जाती है। घर के कई बुजुर्ग, कई-कई संतान होने के बाद भी वृद्धाश्रमों में दिन काटने को मजबूर हैं। नाती-पोतों से वंचित रहते हुए अकेलेपन को अवसाद में भोग रहे हैं। बढ़ते एकल परिवारों में बूढ़ों का यही हश्र हो रहा है। लेकिन देश को इन बूढ़ों से कहीं ज्यादा कुत्तों की चिंता हैं। अतएव षीर्श न्यायालय का आदेश है कि आवारा एवं कटरखने कुत्तों को पकड़कर उनकी टीकाकरण के साथ नसबंदी भी की जाए। तदुपरांत उन्हें छोड़ा जाए। यदि कोई कुत्ता हिंसक होने के साथ रेबीज से संक्रमित है तो वह संरक्षण में ही रहे। पशु प्रेमी चाहें तो ऐसे कुत्तों को गोद भी ले सकते हैं।

भला करें राम! जिस देश के बाल संरक्षण गृह, नशा मुक्ति केंद्र और आंगनवाड़ियां अर्थाभाव के चलते बच्चों को कुपोशित होने से नहीं बचा पा रही हैं, वहीं अब बच्चों से ज्यादा कुत्तों की चिंता बढ़ रही है। अदालतें भी कुत्तों पर मेहरबान हैं। चूंकि न्यायालयों पर काम का बोझ बहुत है, करोड़ों मामले लंबित हैं। इस परिप्रेक्ष्य में न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थायी पुनर्वास के संबंध में निर्देश दिए हैं कि इस आदेश के विरुद्ध अर्जी पेश करने वाले व्यक्ति को अब 25 हजार और सरकारी संगठनों को दो लाख रुपए पंजीकरण हेतु शीर्ष न्यायालय को देने होंगे। यह राशि कुत्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कराने के काम आएगी। इस कमाल की बाध्यता के चलते जनहित याचिकाएं लगाने वाले लोगों की संख्या घट जाएगी।

अंततः कुत्ते के प्रति असली मोह न तो अदालत का है और न ही अर्जीकत्ताओं का ? श्वान की वफादार प्राकृतिक प्रवृत्ति के प्रति असली मोह तो आदमी और कुत्ते के बीच जीव-जगत के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक निर्लिप्त भाव से युधिष्ठिर ने ही जताया है। उनका कुत्ता मोह इतना अटूट है कि स्वर्गारोहण तक बना रहता है। जबकि पत्नी द्रोपदी से लेकर भाई तक उनका साथ छोड़ते चलते हैं पर कुत्ता साथ बना रहता है।

तो भला करें पांडवों का राम! पांडव पृथ्वी की परिक्रमा लगाकर योग बल के बूते हिमालय पर उत्तर दिशा में चल रहे हैं। योग के संयम से द्रोपदी का मन भंग हो गया और वे प्राण छोड़ते हुए पृथ्वी पर गिर पड़ीं। तब भीम ने धर्मराज युधिश्ठिर से इस मृत्यु का कारण जाना। वे बोले, द्रोपदी पक्षपात करते हुए अर्जुन से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी, अब उसी का फल भोग रही है।

इसके बाद अपनी बौद्धिक विद्वता का भ्रम पाले रखने वाले सहदेव धरा पर लुढ़क गए। भीम ने फिर कारण जाना। धर्मराज बोले, सहदेव अपने जैसा किसी को बुद्धिजीवी नहीं समझता था। बुद्धि-भ्रम उसका आजीवन बड़ा दोश रहा। अतएव चलता बना। स्वर्ग के कथित मार्ग पर आगे बढ़े तो सर्वश्रेश्ठ रूपवान नकुल धराशयी हो गए। भीम ने अनुज की मौत पर प्रश्न किया। तब धर्मराज वाले नकुल का सुंदरता के संदर्भ में सोच अत्यंत संकुचित था, वे रूप में अपने से ज्यादा सुंदर किसी अन्य को नहीं मानते थे। इसलिए यही दोष उनके पतन का कारण बना।

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धनुशधारी अर्जुन अपने भाईयों की मृत्यु से षोक-संतप्त अर्जुन भी खेत रहे। तब भीम की जिज्ञासा का ष्माण करते हुए धर्मराज बोले, इसे अपनी षूर-वीरता का यहां तक अहंकार था कि मैं एक दिन में ही सभी शत्रुओं को भस्म कर डालूंगा। किंतु ऐसा कर नहीं पाया, इसलिए अपने कर्म का फल भोग रहा है।

अब अग्रज के साथ चलते प्राण त्यागते भीम भी धरती पर गिरते हुए बोले, अब भ्राता मेरी भी इस गति का कारण बताइए ? तुम बहुत भोजन करने के साथ अपने षक्ति बल की डींगे हांकते थे, यही अभिमान तुम्हारे अंत का कारण है। यह कहते हुए युधिश्ठिर भीम की दशा देखे बिना ही आगे बढ़ गए। उनका प्रिय कुत्ता उनका अनुसरण करता रहा। अब इस पक्षपाती व अहंकार से भरी दुनिया में कौन ऐसा श्वान-प्रेमी होगा, जिसके साथ स्वामी भक्त कुत्ता स्वर्गारोहण कर जाए ? क्योंकि अब कुत्तों के तथाकथित संरक्षकों और कुत्ता पीड़ितो में अपने-अपने अस्तित्व बचाए रखने की प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है और दोनों का जीवनदान की इबारत लिखने में लगी है।

-लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं

बिहार : 99 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के दस्तावेज प्राप्त हुए

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि मसौदा सूची के अनुसार, बिहार में 7.24 करोड़ मतदाताओं में से अब तक 99.11 प्रतिशत लोगों के दस्तावेज प्राप्त हो चुके हैं। चुनावी राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान प्रपत्र भरने वालों के लिए दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एक सितंबर है। एसआईआर के हिस्से के रूप में मसौदा मतदाता सूची एक अगस्त को प्रकाशित की गई। निर्वाचन आयोग ने रविवार को जोर दिया था कि दावे और आपत्तियों की अवधि मतदाताओं को न केवल मसौदा सूची में गलतियों को सुधारने का अवसर देती है, बल्कि अपने उन आवश्यक दस्तावेजों को भी प्रस्तुत करने का मौका देती है, जो उन्होंने प्रपत्र जमा करते समय उपलब्ध नहीं कराए होंगे। राज्य में 24 जून से 24 अगस्त तक 60 दिनों में 98.2 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने दस्तावेज जमा किये। उच्चतम न्यायालय ने अब निर्वाचन प्राधिकारियों से कहा है कि वे मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के इच्छुक लोगों से आधार या सूचीबद्ध 11 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज स्वीकार करें।

आज का पंचांग

कोलकाता : 26 अगस्त, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद शुक्लपक्ष तृतीया, 13:57 तक, नक्षत्र : हस्त, 29:58 तक, योग : साध्य, 12:02 तक, सूर्योदय: 5:14, सूर्यास्त: 18:07, चन्द्रोदय : 07:45, चन्द्रास्त: 19:46, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : सिंह, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 14:46 से 16:21

राशिफल

मेष : व्यापार के मामले में आप कोई विशेष व्यवस्था करने में लगे रह सकते हैं। कारोबार आगे बढ़ाने के लिए भी योजना बनाई जा सकती हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव आने की संभावना है।

वृष : आपका दिन व्यापार और आर्थिक मामलों में अच्छा रहने वाला है। कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है और आर्थिक मामलों में धन में वृद्धि होने की भी संभावना है।

मिथुन : कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऐसे में शारीरिक थकान भी महसूस होगी और आप किसी बात को लेकर ज्यादा चिंता में रह सकते हैं।

कर्क : आपको कोई उत्तम संपत्ति प्राप्त हो सकती है या आर्थिक मामलों में लाभ मिल सकते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ कुछ खर्च भी बढ़ेंगे। ऐसे में आपके लिए बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा।

सिंह : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार में लाभ कमाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की मदद से आपको लाभ मिल सकता है।

कन्या : दिन मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी सलाह लेने आ सकते हैं या मार्गदर्शन की अपेक्षा कर सकते हैं। ऐसे में उनकी सलाह करना लाभकारी सिद्ध होगा।

तुला : आपका दिन आनंदमय रहने वाला है और भाग्य का भी काफी हद तक सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किसी मित्र की सलाह या सहयोग से आपके बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

वृश्चिक : कार्यक्षेत्र में कुछ बिगड़े हुए कार्यों को आपको सुधारने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में दिन थोड़ा व्यस्त रहेगा। कार्यस्थल पर मेहनत करने से भविष्य में बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है।

धनु : आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है। इसी के चलते आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत होगी।

मकर : कार्यक्षेत्र में अपने जरूरी कामों को पूरा करने में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। ऐसे में शारीरिक थकान भी महसूस हो सकती है। परिवार के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

कुम्भ : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ के योग बनेंगे। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा और कार्यक्षेत्र में रुके हुए कार्य अब पूरे हो सकते हैं।

मीन : कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त हो सकती है और सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी। अगर लंबे समय से आपके जरूरी काम बीच में अटके थे तो अब वे पूरे हो सकते हैं।

अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो, 5400 करोड़ की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

अहमदाबाद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर अपने गृह राज्य गुजरात के दौर पर पहुंचे। उन्होंने अहमदाबाद में रोड शो किया। वे अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इसके बाद जनसभा को भी संबोधित किया।

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 26 अगस्त को सुबह लगभग 10.30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है।

सड़क, पुल और बिजली परियोजनाओं की सौगात

पीएम मोदी वीरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क के चौड़ीकरण का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर मार्ग पर छह लेन वाले वाहन अंडरपास और अहमदाबाद-वीरमगाम मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। राज्य में विद्युत क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए पीए मोदी उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन

पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के स्व-स्थाने स्लम पुनर्वास घटक के अंतर्गत रामापीर ने टेकरो के सेक्टर-3 में स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद के आसपास सरदार पटेल रिंग रोड पर यातायात सुगम बनाने और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए की जा रही प्रमुख सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। साथ ही वह जल एवं सीवरेज प्रबंधन प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए प्रमुख शहरी अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

भारत बनेगा बैटरी निर्माण का हब

प्रधानमंत्री हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन की शुरुआत के साथ भारत के बैटरी इकोसिस्टम के अगले चरण का भी उद्घाटन करेंगे। तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का संयुक्त उद्यम यह संयंत्र घरेलू विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देगा। इससे अब अस्सी प्रतिशत से अधिक बैटरी का निर्माण भारत में ही किया जाएगा।

भारत ने मानवीय आधार पर तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी के बारे में पाकिस्तान को सचेत किया

नयी दिल्ली/इस्लामाबाद : भारत ने मानवीय आधार पर तवी नदी में बाढ़ की चेतावनी के बारे में पाकिस्तान को सचेत किया है जबकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) अब भी स्थगित है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी कहा है कि भारत ने संभावित सैलाब को लेकर उसे आगाह किया है और यह चेतावनी राजनयिक माध्यम से दी गई है और सिंधु जल आयोग के जरिए नहीं दी गई है। भारतीय जल शक्ति मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यह इस आशय का पत्र विदेश मंत्रालय को भेजा गया, जिसने फिर इस्लामाबाद से संपर्क किया। एक सूत्र ने कहा, हालांकि संधि के निलंबन से पहले भारत पाकिस्तान के साथ डेटा का आदान-प्रदान करता था, लेकिन यह कदम पूरी तरह से मानवीय आधार पर उठाया गया है। तवी नदी हिमालय से निकलती है और जम्मू संभाग से होती हुई पाकिस्तान में चेनाब नदी में मिलती है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल था।

वर्ग पहेली नं. 3188

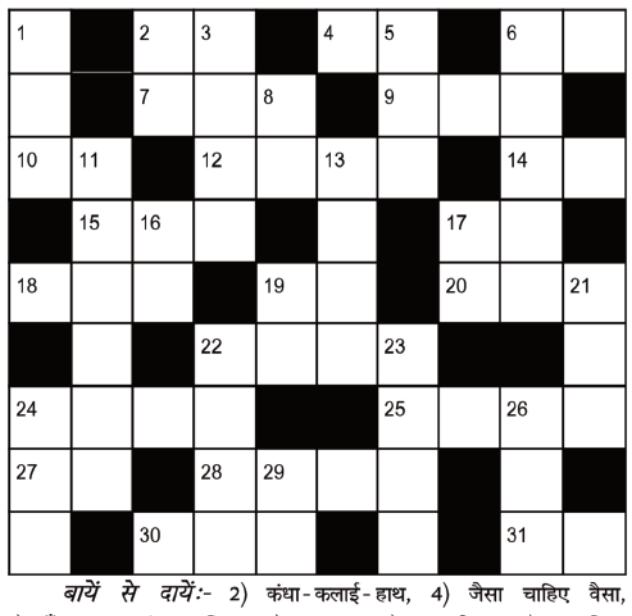

ऊपर से नीचेः- 1) खाविंद; सैयाँ, 2) नदी में जलावरोध; डैम, 3) हर पल, 5) हुक्म; धनुष, 6) प्रभावी, 8) अनेक; विविध, 11) उलटापुलटा, 13) आतंक, 16) स्त्रीलिंगीय, 17) बेटे की नानी, 19) दूसरा किनारा, 21) गप्पी, 22) कृष्ण के भाई, 23) मक्खन, 24) सुपुर्दगी; प्रमाण का उल्लेख, 26) विस्तृत वर्णन, 29) हाथ. *(उत्तरः अगले अंक में)*

बायें से दायेंः- 2) कंधा-कलाई-हाथ, 4) जैसा चाहिए वैसा, 6) हाँ; उम्दा; चंगा; बढ़िया, 7) पकड़ना, 9) नाउम्मीद, 10) आसक्ति, 12) लगातार, 14) निकृष्ट, 15) संपूर्ण, 17) सीधा, 18) मसालेदार सुगंधित सुरती, 19) फंदा, 20) आसान, 22) पात्र, 24) कमज़ोर, 25) ईमानदार, 27) प्रहार, 28) डकैती, 30) सब, 31) उँह; मत; ना.

पिछली पहेली का उत्तर

म	■	म	ग	र	■	अ	चे	त	न
हा	■	स	■	म	न	च	ला	■	दा
रा	हु	ल	■	ता	■	ल	■	बा	र
ष्ट्र	■	ह	र	■	लि	■	अ	द	द
■	फ	त	ह	■	ह्रदिं	क	■	■	■
खो	ट	■	म	ह	ज़	■	स	ली	ब
■	का	■	त	ट	■	ह	र	द	म
पे	र	ना	■	क	रा	ल	■	■	बा
ड़	■	मी	च	ना	■	काज़ी	■	■	री

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3145

		3			5			
7			3				2	
						4		5
			1					
5			2	8	3			
	6	1				7		
8		7				6		
					9			
					2			3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3144 का उत्तर

4	8	6	1	9	5	2	7	3
2	3	5	8	7	6	1	4	9
9	7	1	2	3	4	6	5	8
6	5	7	9	8	2	4	3	1
1	9	2	7	4	3	8	6	5
8	4	3	6	5	1	9	2	7
3	1	9	4	2	7	5	8	6
5	2	8	3	6	9	7	1	4
7	6	4	5	1	8	3	9	2

‘हिसाब नहीं देने वाले क्लबों को पूजा अनुदान क्यों?’, हाई कोर्ट ने राज्य से पूछा सवाल

ममता सरकार को 48 घंटे में हलफनामा दाखिल करने का आदेश

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को राज्य सरकार को दुर्गा पूजा अनुदानों के रिकॉर्ड का विवरण को लेकर 48 घंटे के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने उन दुर्गा पूजा समितियों के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने को कहा है, जिन्होंने पिछले वर्ष अदालत के निर्देश के बावजूद खर्च (यूटिलाइजेशन) प्रमाणपत्र जमा नहीं किया। न्यायमूर्ति सुजॉय पाल की पीठ ने जानकारी मांगी कि पिछले वर्ष तक कितने क्लबों ने प्राप्त अनुदानों का

व्यय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और ऐसा न करने वालों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई। सुनवाई के दौरान, राज्य के महाधिवक्ता ने कहा कि न्यायालय ने अनुदान वितरण पर कोई आपत्ति नहीं जताई है और सुझाव दिया कि मामले की सुनवाई त्योहार के बाद की जाए। न्यायमूर्ति सुजॉय पाल ने असहमति जताते हुए कहा कि यदि रिकॉर्ड पहले से प्रस्तुत नहीं किए गए तो पूजा के बाद मामला अप्रासंगिक हो जाएगा। न्यायालय ने कहा कि कई क्लबों ने बार-बार निर्देशों के बावजूद उचित लेखा-जोखा दाखिल नहीं किया है। दरअसल, अदालत के समक्ष दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि कई क्लबों ने पिछले वर्षों में उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान किए बिना अनुदान प्राप्त किया था। पीठ ने राज्य को अनुदान वितरण, क्लबों से व्यय रिपोर्ट और चूककर्ताओं के खिलाफ उठाए गए कदमों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि दुर्गापुर निवासी सौरव दत्ता ने पहले धर्मनिरपेक्षता के आधार पर इस योजना को चुनौती देते हुए एक जनहित याचिका दायर की थी। इसी मामले से संबंधित नए आवेदन अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए जा रहे हैं। दत्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बिकाश रंजन भट्टाचार्य और शमीम अहमद ने दलील दी कि करदाताओं के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में उपयोग किए जाने वाले धन को सरकार पूजा समितियों को बांट रही है। हालांकि, राज्य सरकार ने इसका बचाव करते हुए कहा कि यह अनुदान ‘जनकल्याणकारी’ है और सेफ ड्राइव, सेव लाइफ अभियान व कोविड-19 प्रतिबंधों जैसी पहलों में इसका उपयोग किया गया था।

तपसिया बम विस्फोट मामले में युवा तृणमूल नेता समेत पांच गिरफ्तार

❑ **गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर हुई 34**

कोलकाता, समाज्ञा : तपसिया बम विस्फोट मामले में रविवार को युवा तृणमूल के वार्ड अध्यक्ष तबरेज आलम को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही उनके पिता, जो कभी उस इलाके में युवा तृणमूल के वार्ड अध्यक्ष थे, को भी गिरफ्तार किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ दल के इन दोनों नेताओं के साथ तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से एक धारदार हथियार भी बरामद किया गया है। इसके साथ ही, दारापाड़ा बम विस्फोट मामले में गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। बता दें कि गत रविवार की शाम को कोलकाता नगर निगम के वार्ड 59 के दारापाड़ा इलाके में दो समूहों के बीच झड़प हुई। कथित तौर पर, पथराव से लेकर बमबारी तक - इन सबसे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस घटना में एक महिला समेत कम से कम तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय निवासियों का दावा है कि यह संघर्ष इलाके पर नियंत्रण के लिए हुआ है। उनका आरोप है कि कई आरोपी सत्ताधारी दल से जुड़े हैं।

पुलिस ने जांच के दौरान पहले ही कई मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है और इस पूरी घटना में और कौन शामिल है, इसकी जांच की जा रही है। इसके अलावा, दारापाड़ा की सड़कों पर पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

नाम परिवर्तन

मैं पिंकी मैती गिरी, पति-गोपाल गिरी, रैंक हवलदार, सेना संख्या नं- 5352353एच, निवास- ग्राम -बेतुलिया बार, डाकघर नबताज पुर, तहसील एगरा, पिन-721601, जिला पूर्व मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल)। मैं घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम पिंकी गिरी (एन ओ के रिकॉर्ड/सेवा दस्तावेजों के अनुसार पत्नी का मौजूदा नाम) से बदलकर पिंकी मैती गिरी (पत्नी का प्रस्तावित सही नाम) कर लिया है। हलफनामा संख्या 27 दिनांक 22.08.2025 को न्यायिक मजिस्ट्रेट, कंटाई (पूर्व मेदिनीपुर) की अदालत में।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ई एल डी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-15-25 दिनांक: 21.08.2025. वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-15-25 के तहत निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** हावड़ा के बेलूर में पुराने और अति-पुराने पैनल इंटरलॉकिंग स्टेशनों के प्रतिस्थापन के संबंध में संकेत उपकरणों की आपूर्ति के साथ विश्वसनीय बिजली आपूर्ति प्रणाली में सुधार; **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 23,71,955.58; **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 47,400.00; **कार्य की पूर्णता अवधि :** एलओए जारी होने की तारीख से 24 (चौबीस) महीने; **निविदा समापन तिथि एवं समय :** 15.09.2025 को 15.00 बजे। **निविदा खोलना:** निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जा सकती है। निविदाकर्ता वेबसाइट पर जा सकते हैं: निविदाओं के पूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए **www.ireps.gov.in** पर जाएं तथा अपनी बोली ऑनलाइन प्रस्तुत करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और यदि कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा उसे सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(HWH-260/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

उप मुख्य विद्युत अभियंता/लोको, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145 द्वारा पूर्व में प्रकाशित **ई-निविदा सं. केपीए-ईआरएस-ओटी-01-25-26, दिनांक: 08.08.2025** का शुद्धिपत्र। निविदा मूल्य को जीएसटी और अन्य सभी शुल्कों सहित रु.7,71,73,313.00 के स्थान पर **जीएसटी और अन्य सभी शुल्कों सहित रु.5,71,73,313.00** पढ़ा जाना चाहिए। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। अधिक जानकारी के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

(MISC-180/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

PWD (GOVT OF WB) TENDER NOTICE

eNIT No.: 53/City(M) of 2025-26 of The E.E.-I, City Dvn., P.W.D. for different works related to necessary arrangement on the occasion of Durga Puja Carnival 2025 on Red Road are invited from bonafied decorators having credential for similar urgent nature of works in Durgapuja Carnival, Independence Day Celebration Programme & Republic Day Parade.
Bid submission closing date (online) will be on **09.09.2025 at 14.00 hrs. Tender ID: 2025_PWD_894412_1/2/3/4/5/6.** Other details may be seen from the web site: http://etender.wb.nic.in & http://wbpwd.in.

Sd/-
Executive Engineer-I,
City Division, P.W.D.

खेजुरी में दो भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत की जांच करेगी सीआईडी, हाई कोर्ट आज देगा फैसला

❑ **‘सीबीआई अब गैलरी शो बन चुकी हैं’, न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने की टिप्पणी**

❑ **एडीजी सीआईडी, डीआईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में करेंगे एसआईटी का गठन**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को पूर्व मेदिनीपुर के खेजुरी में हुए डबल मर्डर मामले की जांच अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) को सौंपने का संकेत दिया। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि फिलहाल मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को देने का उपयुक्त समय नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सीबीआई अब गैलरी शो बन चुकी है। यदि यह मामला उन्हें सौंपा गया, तो यह भी गैलरी शो बन जाएगा। अदालत इस पर मंगलवार को अंतिम आदेश जारी करेगी। न्यायमूर्ति घोष ने कहा कि मामले की जांच एक विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपी जाएगी, जिसका नेतृत्व पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) स्तर का अधिकारी करेगा। इसमें हत्या प्रकोष्ठ के अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। यह एसआईटी अपराध अन्वेषण विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) की देखरेख में काम करेगी। अदालत ने जोर देकर कहा कि वर्तमान परिस्थिति सीबीआई जांच के लिए उपयुक्त नहीं है।

गौरतलब है कि गत 11 जुलाई को खेजुरी में मुहर्रम के अवसर पर एक मजहबी रैली आयोजित हुई थी। अगले दिन सुबह दो स्थानीय निवासी सुधीर पैक और सुजीत दास के शव स्थल के पास मिले। आयोजकों का दावा था कि दोनों की मौत करंट लगने से हुई, जबकि स्थानीय भाजपा नेताओं ने आरोप

लगाया कि उनकी हत्या मजहबी कारणों से की गई। मामला तब और उलझ गया जब दो पोस्टमॉर्टम रिपोर्टों में विरोधाभास सामने आया। पहली रिपोर्ट, जो पूर्व मेदिनीपुर के तमलुक मेडिकल कॉलेज में हुई, में मौत का कारण करंट लगना बताया गया। मृतकों के परिजनों ने इस रिपोर्ट को उच्च न्यायालय में चुनौती दी। कोर्ट के निर्देश पर कोलकाता स्थित एसएसकेएम अस्पताल में दोबारा पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसमें शवों पर चोट के निशान पाए गए और हत्या की आशंका गहराई।

इस दिन, विरोधाभासी रिपोर्टों पर नाराजगी जाहिर करते हुए न्यायमूर्ति घोष ने सवाल उठाया कि क्या स्थानीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों में अनुभव की कमी है या फिर वे किसी दबाव में काम कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अदालत ने कहा कि जांच को वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में अपराध अन्वेषण विभाग की विशेष जांच टीम को सौंपा जाना उचित होगा, न कि इस समय सीबीआई को।

डायमंड हार्बर सीट पर जीत को चुनौती : अभिषेक बनर्जी ने हाई कोर्ट में दाखिल किया प्रत्युत्तर हलफनामा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक प्रत्युत्तर हलफनामा (काउंटर एफिडेविट) दाखिल किया। पता चला है कि यह हलफनामा 2024 लोकसभा चुनाव में उनकी भारी जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका के जवाब में दायर किया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 11 बजे उच्च अभिषेक बनर्जी न्यायालय पहुंचे और लगभग 15 मिनट तक वहां मौजूद रहे। इस दौरान, उन्होंने कुछ आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए और अपने

हलफनामे को दाखिल किया। अदालत परिसर में मौजूद तृणमूल कांग्रेस के कई वकीलों ने उनका स्वागत किया और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गौरतलब है कि, भाजपा उम्मीदवार अभिजीत दास (बॉबी) ने 2024 लोकसभा चुनाव परिणामों को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि डायमंड हार्बर सीट पर व्यापक चुनावी अनियमितताएं हुईं और चुनाव परिणाम वैध नहीं हैं। पिछले अप्रैल में सात महीने की देरी के बाद उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए निर्वाचन आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारी को सभी चुनाव संबंधी सामग्री जैसे डेटा, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल रिकॉर्ड संरक्षित रखने का निर्देश दिया था। बीते 19 अगस्त को अदालत ने चेतावनी दी थी कि यदि अभिषेक बनर्जी जवाब दाखिल नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ एकतरफा आदेश पारित किया जा सकता है। हालांकि, उनके वकीलों ने समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। अदालत ने उन्हें अंतिम तिथि 28 अगस्त तय कर दी थी।

आधार न होने पर भी मिलेगा राशन, ‘खाद्य साथी’ योजना से कोई नहीं होगा वंचित : खाद्य विभाग का बड़ा निर्देश

कोलकाता : अब आधार कार्ड न होने या बायोमेट्रिक सत्यापन में असफल होने पर भी कोई भी गरीब लाभार्थी ‘खाद्यसाथी’ परियोजना से वंचित नहीं होगा। इस संबंध में खाद्य विभाग ने सख्त आदेश जारी किया है। खाद्य विभाग के प्रधान सचिव परवेज़ अहमद सिद्दीक़ी ने इस बाबत विस्तृत निर्देशावली सहित अधिसूचना जारी की है।

निर्देश के मुताबिक, 31 अगस्त तक राज्य के हर ज़िले के जिलाशासक को यह रिपोर्ट भेजनी होगी कि आधार न होने के कारण कितने राशन ग्राहकों को वंचित होना पड़ा, उनके लिए क्या कदम उठाए गए और किन शिकायतों का समाधान ज़िला स्तर पर नहीं हो सका। साथ ही

यह भी साफ़ कहा गया है कि यदि किसी राशन डीलर या खाद्य विभाग के अधिकारी की लापरवाही से लाभार्थियों को वंचित होना पड़ा, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य में राष्ट्रीय और राज्य खाद्य सुरक्षा परियोजनाओं के अंतर्गत लगभग 8 करोड़ 90 लाख राशन उपभोक्ता हैं। इनमें से करीब 98 प्रतिशत लाभार्थियों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, लेकिन अब भी कुछ परिवार ऐसे हैं, जो आधार न होने के कारण राशन से वंचित हो रहे हैं। खाद्य सचिव ने अपनी चिट्ठी की शुरुआत में ही इस बंचना की समस्या का ज़िक्र किया है।

निर्देश में यह भी कहा गया है कि राशन डीलर, जनप्रतिनिधि, स्थानीय प्रशासन और खाद्य विभाग के अधिकारियों को मिलकर इस समस्या का समाधान करना होगा। यानी, अब यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि-आधार न होने के कारण कोई भी वैध राशन कार्डधारी ‘खाद्यसाथी’ योजना के लाभ से वंचित नहीं होगा।

अभिनेता व भाजपा नेता जय बनर्जी का निधन, निमोनिया से थे पीड़ित

❑ **दस दिनों तक कोलकाता के एक निजी अस्पताल में रहे भर्ती**

कोलकाता, समाज्ञा

टॉलीवुड अभिनेता एवं भाजपा नेता जय बनर्जी का सोमवार की सुबह दक्षिण कोलकाता के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। मृत्यु के समय उनकी उम्र 62 वर्ष थी। उनके निधन पर विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दुख व्यक्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार, वे निमोनिया से पीड़ित थे। उन्हें 15 अगस्त को दक्षिण कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां वह 17 अगस्त से वेंटिलेशन पर थे। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। सुबह 11:30 बजे के बाद अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक जगत में शोक का माहौल है। बता दें कि वर्तमान में, जय अपनी दूसरी पत्नी अंकिता और मां के साथ रहते थे। बांग्ला अभिनय जगत में वे काफी प्रसिद्ध थे। बाद में, उन्होंने भाजपा में शामिल होकर अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत की। 2014 में, जय ने बीरभूम लोकसभा क्षेत्र से तृणमूल की स्टार उम्मीदवार शताब्दी रॉय के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उन्होंने एक बार उलुबेरिया लोकसभा क्षेत्र से भी भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें सफलता नहीं मिली। 2021 में, उन्होंने राजनीति से स्थायी रूप से ’संन्यास’ ले लिया।

पूर्व रेलवे

सं.ओएएच/2/1/जनरल.दिनांक:22.08.2025 वरिष्ठ मंडल अभियंता, 2, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा समान प्रकृति के कार्य का अनुभव रखने वाले और आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है, जिनमें सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में पंजीकृत निविदाकार भी शामिल हैं: **वरिष्ठ मंडल अभियंता/डीईएन/2/एचडब्ल्यूएच के अधीन। क्रम सं. (1) सं. 129_2025-26; कार्य का विवरण:** वरिष्ठ मंडल अभियंता डीईएन/2/एचडब्ल्यूएच के अधिकार क्षेत्र में एईएन/डीकेएई के अधीन एसएसई/पी.वे/जीआरएई अनुभाग में पी.वे रखरखाव कार्य; **अनुमानित लागत:** रु. 1,41,98,149.81; **बयाना राशि:** रु. 2,21,000.00; **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य; **पूर्णता अवधि:** 10 (दस) माह। **क्रम सं. (2); सं. 141_2025-26; कार्य का विवरण:** एईएन/बीडब्ल्यूएन के अधीन सीनियर डीईएन/2/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में हावड़ा डिवीजन सीटीआर (एस) -15.043 किलोमीटर निम्नलिखित स्थानों में- डानकुनि स्टेशन: अप 2एनडी लूप 0.148-0.870=0.722 किलोमीटर; डानकुनि: डाउन फ्लाईओवर लाइन 0.100-3.390=3.290 किमी; डानकुनि यार्ड: डीएन 2एनडी लूप 0.150-0.900=0.750 किमी; आरडी1 0.088-1.049=0.961 किमी: आरडी2 0-0.826=0.826 किमी; आरडी3 0-0.885=0.885 किमी; आरडी4 0-0.999=0.999 किमी; अनलोडिंग लाइन 1 0-1.253=1.253 किमी; अनलोडिंग लाइन 2 0-1.240=1.240 किमी: अनलोडिंग लाइन 3 0-1.064=1.064 किमी; डीडी लाइन 0-1.144=1.144 किमी. बाली-शक्तिगढ़: जौग्राम डाउन लूप 64.079-64.613=0.534 किमी.; चेराग्राम अप लूप 52.750-53.508=0.758 किमी.; डाउन लूप 52.814-53.431=0.617 किमी. एर्नाकुलम टाउन, डानकुनि और चतरा स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में-4.022 टीकेएम स्थानों में:- शक्तिगढ़-बर्धमान जंक्शन: बर्द्धमान जंक्शन डीजल शेड लाइन 5 0-0.218 = 0.218 किमी.; डीजल शेड लाइन 6 0-0.160=0.160 किमी; डीजल शेड लाइन 7 0-0.218=0.218 किमी; डीजल शेड लाइन 8 0-0.289=0.289 किमी; घोर लाइन 0-0.299 =0.299 किमी; डी कैंट लाइन 10-0.165=0.165 किमी; डी कैंट लाइन 20-0.164=0.164 किमी; बर्धमान जंक्शन - खाना जंक्शन खाना जंक्शन अप बैक शंट लाइन 1 0-0.300=0.300 किमी; अप बैक शंट लाइन 2 0-0.504=0.504 किमी; अप बैक शंट लाइन 3.0-0.592=0.592 किमी; अप बैक शंट लाइन 4 0-0.370=0.370 किमी; यूपी बैक शंट लाइन 5 0-0.401=0.401 किमी; यूपी बैक शंट लाइन 60-0.098=0.098 किमी; यूपी बैक शंट लाइन 7 0-0.244=0.244 किमी; अनुमानित लागत: रु. 2,69,31,892.50; बयाना राशि: रु. 2,84,700.00; निविदा प्रपत्र की लागत: शून्य; समापन अवधि: 12 (बारह) महीने। निविदा की अंतिम तिथि एवं समय: 15/09/2025, 14:00 बजे। **अनुमानित लागत:** रु. 2,69,31,892.50; **बयाना राशि:** रु. 2,84,700.00; **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य; **समापन अवधि:** 12 (बारह) महीने। **निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** 15/09/2025, 14:00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित समापन तिथि किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित हो जाती है, तो ऑनलाइन निविदा समापन तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद कोई भी प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देता है। हालाँकि, ऑनलाइन निविदाएँ अगले कार्यदिवस पर खोली जाएँगी। **निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें। कोई भी मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(HWH-259/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिना चर्चा फिर छोड़ा गया पानी, डीवीसी पर बरसी राज्य सरकार

राज्य ने भेजा कड़ा ई-मेल, कहा-बाढ़ की आशंका बढ़ी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार और दमदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) के बीच जल छोड़ने को लेकर फिर से विवाद गहराया है। रविवार को आरोप है कि डिविसी ने राज्य सरकार से चर्चा किए बिना ही अपने जलाशयों से 60 हज़ार क्यूसेक पानी छोड़ा, जिससे कई ज़िलों में बाढ़ जैसी स्थिति बनने की आशंका है।

राज्य सरकार की ओर से डिविसी को भेजे गए कड़े ई-मेल में कहा गया है कि, यह बेहद दुर्भाग्यजनक है कि राज्य की परिस्थिति पर विचार किए बिना

और बिना किसी चर्चा के जलाशयों से इस तरह भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया। राज्य की ओर से अनुरोध करने के बावजूद डिविसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

राज्य का आरोप है कि भारी बारिश के कारण कई नदियों का जलस्तर पहले से ही ख़तरे के निशान पर है। ऐसे में डिविसी द्वारा पानी छोड़े जाने से पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर के कई इलाक़े नई बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि इस तरह की मनमानी पहले भी राज्य के लिए संकट का कारण बन चुकी है। यही वजह थी कि अतीत में राज्य ने अपना प्रतिनिधि डिविसी से वापस बुला लिया था। राज्य सरकार ने साफ़ कहा है कि-याद रखें, इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उच्चाधिकारियों से चर्चा कीजिए और तुरंत पानी छोड़ने की मात्रा घटाइए।

आरजी कर अस्पताल तोड़फोड़ मामले में मीनाक्षी-कलतान को मिली जमानत

❑ **शियालदह कोर्ट ने बिना शर्त 1,000 रुपये के बांड पर दिया जमानत आदेश**

कोलकाता : आरजी कर अस्पताल में 14 अगस्त की रात हुई तोड़फोड़ के मामले में बड़ी राहत मिली है वामनेत्री मीनाक्षी मुखर्जी, कलतान दासगुप्ता समेत आठ लोगों को। सोमवार को शियालदह अदालत ने सभी को बिना किसी शर्त के 1,000 रुपये के बांड पर जमानत दे दी। दरअसल, 14 अगस्त की रात रात दखल आंदोलन के दौरान पूरे शहर में प्रदर्शन हो रहा था। इसी दौरान आरजी कर अस्पताल में तोड़फोड़ की शिकायत दर्ज हुई। इस घटना पर तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे-दो टाला थाने में और एक उल्टाडांगा थाने में। कोलकाता पुलिस ने पूछताछ, गवाहों के बयान, परिस्थितिजन्य सबूत और घटना के वीडियो फुटेज की जांच के बाद हाल ही में तीनों मामलों में चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद ही अदालत से जमानत का रास्ता साफ हुआ। सूत्रों के मुताबिक, उल्टाडांगा थाने के मामले में 33 लोगों के नाम चार्जशीट में हैं, टाला थाने के 58 नंबर केस में 43 नाम और 63 नंबर केस में 36 नाम शामिल किए गए। मीनाक्षी, कलतान, देबांजन, पौलमी, दिधीति, बर्णना, दीपु दास और विकास झा सोमवार को अदालत में पेश हुए और जमानत हासिल की। अभियुक्तों के वकील का कहना है कि यह मामला राजनीतिक उद्देश्य से गढ़ा गया है। उनका आरोप है कि-झूठे केस में फंसाकर आंदोलन को रोकने की कोशिश की गई। शुरुआत में एफआईआर में नाम नहीं था, लेकिन बाद में जानबूझकर शामिल किया गया।

कृष्णानगर में मां के सामने बेटी की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

घर में घुसकर छात्रा को पॉइंट ब्लैक रेंज से मारी गई गोली

कोलकाता, समाज्ञा

नदिया जिले से हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के कृष्णानगर में सोमवार को 12वीं कक्षा की एक छात्रा की उसके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान ईशा मल्लिक (18) के रूप में हुई है। छात्रा कृष्णानगर के मानिकपाड़ा इलाके की रहने वाली थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 2.30 बजे हुई, जब ईशा मल्लिक घर पर अकेली थी। वारदात के दौरान छात्रा के घर पर कोई नहीं था। इसी का फायदा उठाकर कुछ बदमाश घर में घुसे

और गोली मारकर फरार हो गए। गोली लगने के बाद ईशा गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कृष्णानगर कोतवाली थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पता चला है कि छात्रा लंबे समय से उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा इलाके में रहकर पढ़ाई कर रही थी। हाल ही में, वह पढ़ाई पूरी कर कृष्णानगर लौटी थी। शुरुआती जांच में, पता चला है कि कांचरापाड़ा निवासी देवराज सिंह छात्रा के घर में घुस आया था। उसने ही गोलियां चलाई। पुलिस को शक है कि यह घटना रिश्तों के विवाद के कारण हुई है। पुलिस, देवराज सिंह की तलाश कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक ईशा मल्लिक का नदिया के कृष्णानगर स्थित स्थानीय विक्टोरिया कॉलेज में दाखिला हुआ था। छात्रा आज से कॉलेज जानी वाली थी, लेकिन उससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। 2023 में, 12वीं पास करने के बाद वह नीट की तैयारी कर रही थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वह 2023 तक देवराज सिंह के साथ रिलेशनशिप में थी।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बंगाल भाजपा का नया मुख्यालय न्यूटाउन में? हेलिपैड और विशाल परिसर की खोज तेज

कोलकाता : 2026 के चुनाव से पहले बंगाल भाजपा ने अपने संगठन को मज़बूत करने और प्रचार कार्यों को तेज़ गति देने के लिए नया मुख्यालय तलाशने का निर्णय लिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, न्यूटाउन क्षेत्र में एक विशाल भवन की तलाश की जा रही है, जिसमें पार्किंग की बड़ी सुविधा के साथ-साथ छत पर हेलिपैड भी मौजूद हो। फिलहाल भाजपा का राज्य कार्यालय सेक्टर-5 में है। लेकिन जगह कम पड़ने लगी है क्योंकि समय के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। इसके अलावा आने वाले महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कई अन्य शीर्ष नेता राज्य में लगातार प्रचार अभियानों के लिए दौरे करेंगे। ऐसे में मौजूदा कार्यालय अपर्याप्त साबित हो रहा है। पार्टी चाहती है कि नए मुख्यालय से न केवल संगठनात्मक कामकाज आसानी से हो, बल्कि चुनावी रणनीति बनाने और उसे लागू करने में भी सहूलियत मिले। भाजपा ने यह भी तय किया है कि आगामी चुनावी प्रचार के दौरान 4 से 5 हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसलिए हेलिपैड वाले भवन की तलाश को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि अभी तक न्यूटाउन क्षेत्र में उपयुक्त भवन या ज़मीन की पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन पार्टी नेतृत्व का कहना है कि जल्द ही नए कार्यालय का चयन कर लिया जाएगा ताकि 2026 के चुनाव से पहले उसे पूरी तरह तैयार किया जा सके।

चुनाव से पहले संगठन मजबूत करने की तैयारी, प्रदेश भाजपा लगाएगी 'कार्यकर्ता बंधुओं का दरबार'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही महीने बाकी हैं। नए साल की शुरुआत के साथ ही चुनावी बिगुल बज जाएगा। उसके पहले प्रदेश भाजपा संगठन को और चंगा करने में जुटी है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य अगले महीने से एक नया कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं- 'कार्यकर्ता बंधुओं का दरबार'। इस कार्यक्रम के तहत हर सोमवार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की शिकायतें और समस्याएं सुनेंगे। दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कोलकाता स्थित मुरलीधर सेन लेन के भाजपा राज्य मुख्यालय में यह संवाद चलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन की जमीनी खामियों और असंतोष को सामने लाकर उसका समाधान खोजना है। दअरसल, प्रदेश भाजपा में गुटबाज़ी और आपसी कलह के कारण संगठन को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। इस असंतोष को दूर करने और संगठन को मजबूत करने के लिए नए प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने पहल की है। हर सोमवार आयोजित होने वाला उनका कार्यक्रम 'कार्यकर्ता बंधुओं का दरबार' इसी रणनीति का हिस्सा है। इसमें सीधे सामान्य कार्यकर्ताओं से संवाद कर शमिक भट्टाचार्य संगठन से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे।

मालदह में खाली पड़े एक घर से भारी मात्रा में ज़िंदा बम बरामद, पुलिस ने किया निष्क्रिय

मालदह : जिले के कालियाचक थाना इलाके में एक खाली पड़े घर से सोमवार को भारी मात्रा में बम बरामदगी से फैल गई। हालांकि, बाद में, पुलिस और प्रशासन ने बमों को निष्क्रिय कर दिया। उन बमों को वहां कैसे रखा गया था? जांचकर्ताओं ने उस मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि कालियाचक के धूरीटोला गांव में करीब 10 महीने से एक घर खाली पड़ा है। पता चला है कि घर का मालिक और उसका परिवार जिले में दूसरी जगह रहता है। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में खाली पड़े घर के अंदर से भारी मात्रा में बम बरामद हुए। पता चला है कि स्थानीय लोग घर के इलाके में गए थे। घर के अंदर तीन जार रखे थे। स्थानीय लोगों को उन्हें देखकर शक हुआ। इसके बाद, कालियाचक थाने को सूचित किया गया।

पुलिस ने घटनास्थल को घेर लिया। घर के अंदर तलाशी ली गई। ताजा बमों से भरे तीन जार मिले। दमकल और बम निरोधक दस्ते को सूचित किया गया। वे मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद, भारी मात्रा में बम बरामद हुए। उन्हें मोहल्ले से दूर ले जाकर निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

हावड़ा डिविजन ने विभिन्न स्टेशनों पर चलाया व्यापक सफाई अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिविजन ने चल रहे स्वच्छता अभियान के तहत सोमवार को डिविजन के विभिन्न स्टेशनों पर व्यापक सफाई अभियान आयोजित किया। इस अभियान में विशेष ध्यान रामपुरहाट स्टेशन पर केंद्रित रहा। अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म, सर्कुलेशन एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय और अन्य यात्रियों की सुविधाओं की पूरी सफाई की गई। साथ ही कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय किए गए। डेडिकेटेड टीमों ने कचरे का निस्तारण, फर्श की सफाई तथा नालियों की सफाई सुनिश्चित की ताकि यात्रियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण बनाए रखा जा सके। यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए

रखने के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया, जिससे स्वच्छ भारत अभियान के तहत सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश मजबूती से दिया गया।

मुर्शिदाबाद में एसटीएफ ने बरामद किया 50 लाख का गांजा, तीन गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुप्त सूचना के आधार पर मुर्शिदाबाद जिले के उमरपुर इलाके में छापेमारी कर अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान एसटीएफ ने तीन तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया और उनके पास से करीब 204 किलो प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख बताई जा रही है। यह छापेमारी एनएच-12 के बेरहामपुर फ्लैंक रोड पर मारुति सुजुकी सर्विस सेंटर के सामने, उमरपुर बस स्टैंड के निकट की गई। मौके से तस्करी में प्रयुक्त एक ट्रक और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की

गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बीरभूम के नलहाटी निवासी नूर इस्लाम शेख, मुर्शिदाबाद के जालंगी निवासी मोहम्मद शेख और दार्जिलिंग के माटिगाड़ा निवासी प्रकाश दास के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि बरामद गांजे की खेप कूचबिहार से लाई गई थी और इसे आगे अन्य स्थानों पर पहुंचाने की योजना थी। नूर और मोहम्मद शेख की मुलाकात उमरपुर में प्रकाश दास से इसी सौदे के सिलसिले में हुई थी। घटना को लेकर रघुनाथगंज थाने में एनडीपीएस एक्ट 1985 की धाराओं 20(बी)(ii)(सी), 25, 28 और 29 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। एसटीएफ अब इस तस्करी गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

टीईटी के नतीजे अज्ञात वेबसाइट पर कहां से आए?, बोर्ड ने जांच रिपोर्ट जारी की

कोलकाता, समाज्ञा : अज्ञात वेबसाइट पर प्राइमरी टीईटी के नतीजे देखकर लाखों प्राइमरी परीक्षार्थियों में काफी तनाव फैल गया। रविवार को खबर सामने आने के बाद, प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को जांच शुरू की। इस दिन, इसे लेकर एक अधिसूचना जारी की। बोर्ड ने एक तत्काल अधिसूचना में कहा कि जिस वेबसाइट से टीईटी के परिणाम और प्रमाण पत्र प्रकाशित किए जा रहे हैं, वह आधिकारिक रूप से मान्य नहीं है। बोर्ड ने यह भी कहा कि बोर्ड ने सूची तैयार नहीं की है। बोर्ड इस पूरे मामले को एक साजिश मानता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में, एक वेबसाइट सामने आई, जिसमें यह देखा गया कि 2022 के 1.50 लाख परीक्षार्थियों के परिणाम प्रकाशित किए गए हैं। इतना ही नहीं, उम्मीदवार वहां से प्रमाण पत्र भी डाउनलोड कर सकते हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि पंजीकरण संख्या कहां दर्ज करनी है। हालांकि, किसी को नहीं पता कि संबंधित वेबसाइट का मालिक कौन है। इस आरोप के सामने आने के बाद बोर्ड हिल गया। प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने कहा कि सचिव स्तर पर जांच की जा रही है। इसके बाद, बोर्ड ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की।

बालुरघाट बाल सुधार गृह से तीन नाबालिग फरार

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के बालुरघाट स्थित एक सरकारी बाल सुधार गृह से तीन नाबालिग फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रविवार की रात बालगृह से भागते हुए वे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। बालगृह के अधिकारियों ने थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस और बाल सुधार गृह के अधिकारियों ने बताया कि तीनों नाबालिगों की तलाश शुरू कर दी गई है। तीनों नाबालिगों के भागने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

एलायंस जूट मिल मजदूर की आकस्मिक मौत, मुआवजे की मांग पर अन्य मजदूरों का प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले जगद्दल थाना इलाके में स्थित एलायंस जूट मिल में सोमवार की सुबह एक मजदूर की आकस्मिक मौत से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। मृतका की पहचान देहारी यादव के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देहारी यादव रोज की तरह सुबह काम पर पहुंचा था। काम करते समय अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा। गंभीर हालत में पहले उन्हें मिल के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने देहारी यादव को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे मिल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। मजदूरों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका आरोप है कि काम के दौरान ही मजदूर की मौत हुई है, लेकिन मिल प्रबंधन इस पर गंभीर नहीं है और मुआवजा देने को लेकर कोई आश्वासन अभी तक नहीं दिया है। सूचना मिलते ही जगद्दल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। मजदूर मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं।

सल्टलेक में वकील पर हमला: हाईकोर्ट ने मांगी राज्य सरकार से रिपोर्ट

पुलिस पर मारपीट का आरोप, अब जांच होगी डिटेक्टिव डिपार्टमेंट से

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के साल्टलेक में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश के बेटे और सरकारी वकील एम.एन. राय की पिटाई पुलिस ने ही कर दी। इस घटना को लेकर शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया।

न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने सुनवाई के दौरान कहा कि विधाननगर पूर्व थाने की जांच पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने आदेश दिया कि मामले की जांच विधाननगर डिटेक्टिव डिपार्टमेंट के अधीन होगी और जांच की निगरानी डीसी डीडी करेंगे। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि अगले शुक्रवार तक प्रगति रिपोर्ट पेश की जाए।

पीड़ित के वकील अनिंद्य लाहिड़ी ने बताया कि पुलिस ने जोरदार लात मारी जिससे फिमर बोन, जो शरीर की सबसे मजबूत हड्डी मानी जाती है, टूट गई। अदालत में पेश दस्तावेजों के मुताबिक, एम.एन. राय को गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी मिली है और डॉक्टरों ने 8 हफ्तों तक आराम की सलाह दी है।

वहीं, अदालत ने यह भी सवाल किया कि पुलिस को अब तक सभी मेडिकल और घटना संबंधी दस्तावेज सौंपे गए हैं या नहीं। इस पर पीड़ित पक्ष ने हलफनामे के जरिए दस्तावेज दाखिल किए।

पीड़ित पक्ष ने मांग की कि पूरी जांच हाईकोर्ट की निगरानी में हो और अदालत की अनुमति के बिना चार्जशीट दाखिल न की जाए। उनका आरोप है कि पुलिस ने उचित धाराओं में केस दर्ज नहीं किया और घटना को सिर्फ धक्का-मुक्की करार देने की कोशिश की।

राज्य सरकार की ओर से वकील ने जवाब दिया कि एफआईआर दर्ज होते ही मामला विधाननगर डिटेक्टिव डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया था। लेकिन विधाननगर पूर्व थाना ने गुरुवार को अदालत में रिपोर्ट इसलिए दाखिल की ताकि यह साबित किया जा सके कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया गया है।

न्यायमूर्ति घोष ने कहा कि अदालत अब केवल नए जांच अधिकारी की रिपोर्ट देखना चाहती है और विधाननगर पूर्व थाने पर भरोसा नहीं किया जा सकता। अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

नागराकाटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, 13 घायल

जलपाईगुड़ी : जिले के नागराकाटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार को अनियंत्रित होकर एक बोलेरो पलटने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, इस दिन, बोलेरो गाड़ी खेरकाटा से गाठिया चाय बागान की ओर जा रही थी। गाड़ी में ज्यादातर चाय बागान के श्रमिक सवार थे। हादसे में तीन श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य 13 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नागराकाटा के माल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और सुलकापाड़ा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया। मौके पर भारी पुलिस बल

तैनात किया गया। नागराकाटा के बीडीओ पंकज कोणार और आईसी कौशिक कर्मकार भी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य में हाथ बंटाया। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि बोलेरो में क्षमता से अधिक सवारियां भरी गई थीं और सड़क खराब होने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और स्थानीय लोगों की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जा रहा है।

कार्टून नेटवर्क और पोगो ने लॉन्च किया स्कूल कॉन्टैक्ट प्रोग्राम का 18वां संस्करण

कोलकाता, समाज्ञा : कार्टून नेटवर्क और पोगो ने भारत की सबसे बड़ी और प्रभावी स्कूल आउटरीच पहल, स्कूल कॉन्टैक्ट प्रोग्राम (एससीपी) के 18वें संस्करण की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य 17 शहरों के 1,400 स्कूलों के एक मिलियन से अधिक छात्रों तक पहुंचना और उन्हें सकारात्मक मूल्यों, दयालुता और स्थायित्व के महत्व से अवगत कराना है। इस वर्ष प्रोग्राम में 'पोगो हीरोज ऑफ काइंडनैस' बच्चों में सहानुभूति, करूणा और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देगा, जबकि 'कार्टून नेटवर्क टाइटन्स ऑफ ट्रुमॉरो' पर्यावरण संरक्षण और स्थायी भविष्य की ओर प्रेरित करेगा। प्रोग्राम को स्कूलों, टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रोल आउट किया जाएगा। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के तनाज मेहता ने कहा कि यह पहल बच्चों को विचारशील और सशक्त बनाने के प्रयास में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम देशभर के क्लासरूम्स में मूल्यों और खुशियों का संदेश फैलाएगा।

सियालदह मंडल की अपील, ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन समय से पहुंचे

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह मंडल ने आगामी त्योहारों और बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए सभी यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी ट्रेन के प्रस्थान से पहले पर्याप्त समय लेकर स्टेशन पहुंचे और समय का सही प्रबंधन करें। मंडल का कहना है कि यह कदम यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ और व्यवधान से बचने के लिए आवश्यक है। सियालदह मंडल ने यात्रियों से विशेष अनुरोध किया है कि वे यात्रा की योजना इस तरह बनाएं कि प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। मंडल ने स्पष्ट किया कि अलार्म चेन खींचना न केवल ट्रेन के संचालन में विलंब पैदा करता है बल्कि यह दंडनीय अपराध भी है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे प्लेटफॉर्म नंबर पहले से जांच लें, घोषणाओं पर ध्यान दें और भीड़ में आसानी से चलने के लिए सामान न्यूनतम रखें। डीआरएम राजीव सक्सेना ने सभी यात्रियों की समझ और सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि - हम आपकी ट्रेन पकड़ने की तत्परता को समझते हैं, परंतु हम आपसे सहयोग की अपील करते हैं। यह आवश्यक है कि सभी यात्री सुरक्षित और समय पर ट्रेन में सवार हो सकें।

पूर्व रेलवे में 37वां अखिल भारतीय रेलवे शतरंज चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य समापन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे द्वारा माझेरहाट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 37वां अखिल भारतीय रेलवे शतरंज चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य समापन समारोह सोमवार को संपन्न हुआ। यह सप्ताह भर चलने वाला टूर्नामेंट 19 अगस्त 2025 से शुरू हुआ था, जिसमें 16 रेलवे टीमों के 127 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें 12 ग्रैंड मास्टर और 17 अंतर्राष्ट्रीय मास्टर थे। प्रतियोगिता टीम और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर आयोजित की गई। समापन समारोह पूर्व रेलवे इनडोर स्टेडियम, जेम्स लॉन्ग सरानी, बेहाला में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व रेलवे खेल संघ के संरक्षक और महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर उपस्थित रहे। इस मौके पर दिव्येंदु बरुआ, अर्जुन पुरस्कार विजेता, ग्रैंड मास्टर और एआईसीएफ उपाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। पूर्व रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष सत्यकी

नाथ, विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में उपस्थित थे। इस समारोह का विशेष आकर्षण ब्लिट्ज़ शतरंज मुकाबला था, जिसमें हिमाल गुसैन/आईएम (पश्चिमी रेलवे) और दिप्तयान घोष/जीएम (पूर्व रेलवे) ने भाग लिया।

इस समारोह के दौरान पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने टीम और व्यक्तिगत स्तर के विजेताओं को पुरस्कार और पदक वितरित किए। व्यक्तिगत स्तर पर हिमाल गुसैन/आईएम ने स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियन का खिताब जीता। टीम स्तर पर पूर्व रेलवे टीम ने चैंपियन ट्रॉफी प्राप्त की, जबकि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) टीम को रजत और साउथर्न रेलवे टीम को कांस्य पदक मिला। महाप्रबंधक ने विजेताओं और उपविजेताओं को बधाई दी और इस राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्व रेलवे खेल संघ की सराहना की।

भारत के रासायनिक उद्योग में सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन को मिलेगी गति

कोलकाता : गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने भारत के रसायन उद्योग में नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए नेशनल केमिस्ट्री डे समिट के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) और एस्टेक लाइफसाइंसेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस शिखर सम्मेलन में, भारतीय रसायन क्षेत्र के भविष्य पर चर्चा करने के लिए उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान के अग्रणी लोगों ने एक साथ भाग लिया। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर और एस्टेक लाइफसाइंसेज़ लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, बुर्जिस गोदरेज, तथा गोदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के चेयरपर्सन, नादिर गोदरेज, ने एक टिकाऊ भविष्य के निर्माण में रसायन विज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं, गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) के कार्यकारी निदेशक और सीईओ, विशाल शर्मा ने लचीलापन निर्माण, उद्योग-अकादमिक सहयोग, और भारत को एक बैकएंड उत्पादक से वैश्विक नवाचार नेता में बदलने पर रोचक चर्चाओं का नेतृत्व किया।

81% लोग मानते हैं कि डेंगू और मलेरिया किसी भी समय हो सकते हैं : गुडनाइट सर्वेक्षण

कोलकाता : 81% लोग मानते हैं कि मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां किसी भी समय हो सकती हैं, ये सिर्फ मानसून तक सीमित नहीं हैं। यह चौंकाने वाला तथ्य 'वन मॉस्किटो, काउंटलेस थ्रेट्स' (एक मच्छर, अनगिनत खतरे) नामक पैन-इंडिया सर्वेक्षण में सामने आया, जिसे भारत के अग्रणी घरेलू कीटनाशक ब्रांड गुडनाइट (गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड - जीसीपीएल) ने कराया है। यह सर्वेक्षण मार्केट रिसर्च फर्म यूगोव द्वारा किया गया था। इसमें बताया गया कि बदलते पर्यावरणीय हालात और शहरी जीवनशैली मच्छरों से साल भर सुरक्षा की आवश्यकता को बढ़ा रहे हैं। शिल्पा सुरेश, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) की मार्केटिंग हेड - होम केयर, ने कहा, डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों का साल भर रहने वाला ख़तरा पूरे भारत में लाखों परिवारों को प्रभावित करता रहता है, जिससे रोज़मर्रा की ज़िंदगी, शिक्षा और उत्पादकता में बाधा आती है।

पिकनिक स्पॉट में पेड़ से लटका मिला अज्ञात शव, इलाके में सनसनी

कोलकाता : आनंदपुर थाना क्षेत्र के ईस्ट कोलकाता फिशरीज को-ऑपरेटिव सोसाइटी परिसर (जिसे लोकप्रिय रूप से मत्स्यकन्या पिकनिक स्पॉट कहा जाता है) में सोमवार दोपहर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक एक गमछे की मदद से पेड़ की शाखा से करीब 30-35 फीट की ऊँचाई पर लटका हुआ था। शव को नीचे उतारकर एन.आर.एस. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शव काफी हद तक सड़ा-गला था और स्थानीय लोग मृतक की पहचान नहीं बता सके। फिलहाल मृतक की पहचान स्थापित नहीं हो सकी है। आनंदपुर थाने में इस घटना को लेकर अस्वाभाविक मृत्यु (यू.डी) कांड संख्या 132/25 दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम की व्यवस्था की है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

7सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने गणेश चतुर्थी पर नए डिजाइन और विशेष ऑफर्स किए लॉन्च

कोलकाता, समाज्ञा : सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर नए ज्वैलरी डिजाइन और आकर्षक ऑफर्स पेश किए हैं। इस अवसर पर सेनको ने सोने, प्लैटिनम और डायमंड के नए डिजाइन लॉन्च किए हैं, जो पारंपरिकता और आधुनिकता का मिश्रण दर्शाते हैं। कंपनी के एमडी एवं सीईओ सुवांकर सेन ने बताया कि इस गणेश चतुर्थी पर विशेष ऑफर्स पेश किए जा रहे हैं। इनमें सोने पर प्रति ग्राम 100 रुपये की छूट, सोने के जेवर पर मेकिंग चार्ज में 35% तक की छूट, डायमंड ज्वैलरी पर 10% तक की छूट, डायमंड ज्वैलरी के मेकिंग चार्ज में 25% तक की छूट, चांदी के आइटम्स पर 10% तक की छूट और पुराने सोने के जेवर पर कोई कटौती नहीं शामिल है। वहीं,

निदेशक और मार्केटिंग प्रमुख जोइता सेन ने कहा कि, नए पेंडेंट डिजाइन हल्के, आकर्षक और आधुनिक हैं, जो भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा के साथ आज की जीवनशैली में फिट बैठते हैं। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के संग्रह में सोना, डायमंड, चांदी, प्लैटिनम और कीमती-पारंपरिक पत्थर शामिल हैं। गणेश चतुर्थी ऑफर्स 26 से 31 अगस्त 2025 तक सभी शोरूम और ऑनलाइन चैनल्स पर उपलब्ध रहेंगे।

जेके मसाले ने सैफ अली खान को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

कोलकाता, समाज्ञा : जेके मसाले ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी ब्रांड की शाही विरासत और आधुनिक आकर्षण को दर्शाती है। 1957 में स्थापित जेके मसाले ने छः दशकों से अधिक समय में शुद्धता, विश्वास और प्रामाणिकता की मजबूत छवि बनाई है। सैफ अली खान के शाही परिवार से ताल्लुक और उनकी आधुनिक छवि, जेके मसाले के मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाती है। ब्रांड के प्रबंध निदेशक अशोक जैन ने कहा कि सैफ अली खान की विश्वसनीयता, आकर्षण और परिष्कार जेके मसाले की यात्रा और उसके ग्राहकों के भरोसे को परिभाषित करती है। ब्रांड का पोर्टफोलियो अब 400 से अधिक

उत्पादों में फैला है, जिसमें साबुत मसाले, पाउडर मसाले, मिश्रित मसाले, पेय, हेल्थ और फूड प्रोडक्ट्स शामिल हैं। जेके मसाले न केवल भारत में बल्कि यूके, साउथ कोरिया, वियतनाम, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में भी निर्यात करता है।

हावड़ा डिविजन ने डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए यूटीएस मोबाइल ऐप का किया प्रचार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिविजन ने सोमवार को कई स्टेशनों पर यूटीएस (अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम) मोबाइल ऐप के उपयोग के बारे में जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में हुगली, चिनसुड़ा, भद्रेश्वर, हरिपाल, बैद्यबाती, तारकेश्वर, बाहिरखंडा और मांकुंडू जैसे स्टेशनों को शामिल किया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को मोबाइल ऐप के माध्यम से बिना रिजर्वेशन के टिकट आसानी से बुक करने के तरीकों से परिचित कराना था। रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों के साथ संवाद किया, ऐप डाउनलोड और उपयोग करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया और इसके लाभों जैसे कैशलेस लेनदेन, कम कतारें,

और पेपरलेस टिकिटिंग के पर्यावरण हितैषी पहलुओं पर जोर दिया। यह पहल हावड़ा डिविजन की डिजिटल इंडिया मिशन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो रेलवे टिकटिंग में आधुनिक, तकनीक-आधारित समाधान अपनाने को प्रोत्साहित करती है।

गोलाबाड़ी में बुजुर्ग की हत्या के आरोप में व्यापारी गिरफ्तार

❑ **समलैंगिक संबंध बनाने का दबाव, निजी तस्वीरें लीक करने की धमकी का आरोप**

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा में एक बुजुर्ग की हत्या में समलैंगिक संबंधों के सार्वजनिक तनाव की जानकारी सामने आई है। गोबरडांगा से हत्या के आरोपी प्रोसेनजीत चौधरी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को यह सनसनीखेज जानकारी मिली है। पता चला है कि आरोपी युवक मृत बुजुर्ग के साथ रिश्ते में था। एक समय पर, बुजुर्ग व्यक्ति ने निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने का ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। शुरुआत में, पुलिस ने माना कि आरोपी ने गुस्से में बुजुर्ग की हत्या कर दी। बताया गया है कि गिरफ्तार प्रोसेनजीत चौधरी उत्तर 24 परगना के गोबरडांगा का निवासी है। वह पेशे से कपड़ा व्यापारी है। वह अक्सर व्यापार के सिलसिले में हावड़ा जाता था। हालांकि, उसकी मुलाकात मृत बुजुर्ग व्यक्ति असीम दे से सोशल मीडिया पर हुई थी। असीम और प्रोसेनजीत ने पहली बार लगभग चार महीने पहले बातचीत हुई थी। फिर, धीरे-धीरे उनके बीच बातचीत बढ़ती गई। एक महीने तक चैटिंग के बाद दोनों हावड़ा के बांधाघाट में मिले। इसके बाद, दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बातें होने लगी। धीरे-धीरे रिश्ता गहरा होता गया। इसके बाद, प्रसेनजीत बुजुर्ग के फ्लैट पर गया। बताया गया है कि वहां उन्होंने शारीरिक संबंध भी बनाए। सूत्रों के मुताबिक, कुछ समय बाद असीम ने प्रसेनजीत पर नियमित संबंध बनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने निजी तस्वीरें लीक करने की भी धमकी दी। इस स्थिति में, प्रसेनजीत गत गुरुवार की दोपहर असीम के फ्लैट पर गया। उन्होंने साथ समय बिताया, खाया-पीया। फिर, उन्होंने शारीरिक संबंध भी बनाए। असीम की यातना से प्रसेनजीत के निजी अंगों पर गहरे घाव हो गए। कथित तौर पर, उसके बाद, प्रसेनजीत ने बुजुर्ग को धक्का दे दिया। हालांकि, उसे इस बात का एहसास नहीं था कि धक्के से असीम मर जाएगा। पुलिस ने रविवार की रात गोबरडांगा से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

न्यूटाउन में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या मामले में गिरफ्तार टोटो चालक दोषी करार

❑ **कल बारासात कोर्ट सुनाएगी सजा**

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन के एक सुनसान जंगल में 13 साल की बच्ची से दुष्कर्म और बेरहमी से हत्या के मामले में गिरफ्तार टोटो चालक सौमित्र रॉय उर्फ राज को सोमवार को बारासात कोर्ट ने दोषी पाया। जज इस मामले में बुधवार को सजा का ऐलान करेंगे। गौरतलब है कि इसी साल फरवरी में पुलिस ने न्यूटाउन के लोहापुल नहर से सटे जंगल में आठवीं कक्षा की एक छात्रा का शव बरामद किया था। इस क्रूर घटना की जांच करते हुए पुलिस को पता चला कि छात्रा गौरांगनगर की निवासी थी। दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के सबूत मिले। आसपास की जानकारी और इलाके के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच करने के बाद जांचकर्ताओं ने सौमित्र उर्फ राज को ढूंढ निकाला। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार सौमित्र उर्फ राज नदिया के राणाघाट का निवासी है। वह न्यूटाउन के आदर्शपल्ली इलाके में किराए के मकान में रहता था। न्यूटाउन सिटी स्कायर ब्रिज के नीचे लगे सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि आरोपी चालक नाबालिग लड़की को ले जा रहा था। उस फुटेज को देखकर आरोपी की पहचान करने के बाद सौमित्र को सबसे पहले न्यूटाउन पुलिस कैंप इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में विसंगतियां पाई गईं। उचित जवाब नहीं मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। घटना के तुरंत बाद बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट ने जांच शुरू कर दी। बारासात कोर्ट में मामला शुरू किया गया। न्यूटाउन थाना पुलिस ने आरोपी टोटो चालक राज के खिलाफ 15 दिनों के अंदर आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इस दिन, अदालत ने उस मामले में आरोपी को दोषी पाया।

शांतिपुर में सड़क दुर्घटना में 25 घायल, 12 की हालत गंभीर

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के शांतिपुर बाईपास इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर सोमवार को एक यात्री बस सड़क किनारे खड़े एक लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के कारण बस का अगला हिस्सा लगभग पूरी तरह से मुड़ गया। हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से लगभग 12 की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में बस नदिया के कृष्णानगर से कोलकाता जा रही थी। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर स्थित बी.एड कॉलेज के पास हुआ। सूत्रों के अनुसार, कई यात्रियों को घायल अवस्था में शांतिपुर स्टेट जेनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई यात्रियों को इलाज के लिए कृष्णानगर और रानाघाट अस्पताल भी ले जाया गया है। दुर्घटना की खबर सुनकर शांतिपुर यातायात पुलिस और थाना पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

विश्व भारती की पुरानी वेबसाइट पर टैगोर की तस्वीर है, नए संस्करण में भी होगी : विश्वविद्यालय

बीरभूम : विश्व भारती विश्वविद्यालय ने सोमवार को कहा कि उसकी पुरानी वेबसाइट पर संस्थापक और नोबेल पुरस्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर है, वहीं नए संस्करण में भी जल्द ही तस्वीर होगी। मीडिया के एक वर्ग ने हाल ही में खबर दी थी कि केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर टैगोर की तस्वीर नहीं है, लेकिन इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (जो वहां की विजिटर हैं), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (कुलाधिपति), राज्य के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस (रेक्टर) और कुलपति प्रोबीर कुमार घोष की तस्वीरें हैं। विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि हम एक नयी वेबसाइट शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। मौजूदा वेबसाइट का कार्य प्रगति पर है। हालांकि इस मौजूदा वेबसाइट में गुरुदेव की तस्वीर भी है। ऐसा हो सकता है कि तकनीकी समस्याओं और वेबसाइट के उन्नयन के कारण, कभी-कभी साइट की कुछ सामग्री और स्वरूप आपकी नजरों के सामने न आ पाएं। उन्होंने कहा कि नयी वेबसाइट को उचित अधिसूचना के जरिए 15 से 20 दिनों में आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि विश्व भारती अपनी पुरानी वेबसाइट का नवीनीकरण कर रहा है, इसलिए इसकी विषय-वस्तु समय-समय पर भिन्न हो सकती है, लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि टैगोर हमेशा से विश्वविद्यालय की आत्मा के साथ जुड़े रहे हैं।

लॉटरी की रकम हड़पने के आरोप में कर्मचारी गिरफ्तार, 2.5 लाख बरामद

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना के गड़फा थाने में रविवार देर रात एक अजीब मामला सामने आया। नटाग्राम, अम्बाउला निवासी रतन सरकार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि जब वह पालबाजार इलाके में अपनी स्कूटी पार्क कर रहे थे, तभी तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें हथियार दिखाकर रेलवे ट्रैक की ओर ले जाकर उनके पास मौजूद 2.5 लाख नकद से भरा बैग लूट लिया। यह रकम वह अपने मालिक पंकज अग्रवाल (विवेकनगर, थाना गड़फा) को सौंपने जा रहे थे। पुलिस ने शिकायत दर्ज करने के बाद रतन सरकार से सख्ती से पूछताछ की और उनके नियोक्ता पंकज अग्रवाल से भी संपर्क साधा। लंबी पूछताछ के बाद रतन सरकार ने स्वीकार किया कि कथित लूट की कहानी झूठी थी और उन्होंने खुद ही लॉटरी की दुकान से एकत्र की गई रकम हड़प ली थी। इसके बाद पंकज अग्रवाल ने अपने कर्मचारी रतन सरकार के खिलाफ पैसे की हेराफेरी का औपचारिक आरोप दर्ज कराया। गड़फा थाना कांड संख्या 94 भादस की धारा 316(4) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की तलाशी अभियान में रतन सरकार की निशानदेही पर पूरी रकम यानी 2.5 लाख बरामद कर ली गई।

मानिकतला में मिनी बस ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर, कई घायल

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के मानिकतला इलाके में सोमवार की सुबह एक मिनीबस ने अचानक कई वाहनों को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे हुआ।इ स दुर्घटना में दो कार, एक टैक्सी और एक मोटरसाइकिल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में कई लोग घायल हुए है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इधर, हादसे के बाद व्यस्त सड़क पर लंबा जाम लग गया, जिससे सप्ताह के पहले कार्यदिवस पर यातायात प्रभावित हुआ। दुर्घटना के तुरंत बाद मिनीबस का चालक मौके से फरार हो गया। क्षतिग्रस्त वाहनों को बाद में पुलिस के द्वारा हटाई गई। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि बस के ब्रेक फेल होने की वजह से यह दुर्घटना हुई। मामले की जांच जारी है।

कोलकाता उपक्रम नराकास की बैठक सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के मार्गदर्शी सिद्धांतो के तहत नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)कोलकाता की छमाही बैठक सह राजभाषा समारोह का आयोजन सोमवार को होटल ताज, न्यूटाउन के प्रेक्षागृह में किया गया। नराकास (उपक्रम) कोलकाता के अध्यक्ष विनय रंजन ने बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर मुख्य अतिथि के रूप राजभाषा विभाग के उप निदेशक डॉ. विचित्रसेन गुप्त उपस्थित थे। समिति के सचिव राजेश वी नायर ने बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा समिति की गतिविधियों एवं कार्यकलापों से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉक्टर गुप्त ने सदस्य कार्यालयों में हिंदी में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा राजभाषा कार्यान्वयन को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस कार्यक्रम में उपक्रमों के विभिन्न कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों एवं हिन्दी कक्ष के अधिकारियों को मिला कर कुल 155 प्रतिनिधि उपस्थित थे। राजभाषा कार्यान्वयन व गृह पत्रिका प्रकाशन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्यालयों को पुरस्कृत भी किया गया तथा समिति की गृह पत्रिका अभिव्यक्ति के 32वें अंक का विमोचन भी किया गया।

निमता में गृहिणी की रहस्यमयी मौत, पति-ससुर और सास को लिया गया हिरासत में

हत्या या फिर आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के निमता थाना इलाके में एक गृहिणी की हत्या कर उसे फंदे से लटकाने का आरोप उसके पति और ससुराल वालों पर लगाया गया है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पति, ससुर और सास को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन यह हत्या क्यों हुई? पुलिस ने इसके पीछे छिपे कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सुष्मिता दास (23) के रूप में की गई है। वह निमता के श्रीदुर्गा पल्ली की निवासी थी। मृतका के परिवार का दावा है कि रविवार की रात उन्हें उनकी बेटी के ससुराल वालों से फोन आया। उन्हें बताया गया कि बेटी ने फांसी लगा ली है। वे सुष्मिता को कमरहट्टी के सागर दत्ता अस्पताल ले जा रहे है। उसके बाद, मृतका के पिता के घर के लोग जल्दी से सागर दत्ता अस्पताल के लिए रवाना हुए, लेकिन, फिर, उन्हें बताया गया कि गृहिणी को बिराटी पालिका अस्पताल ले जाया जा रहा है। इस बीच, रास्ते में उन्हें सूचना मिली कि बेटी की मौत हो गई है। फिर, वे निमता के श्रीदुर्गा पल्ली पहुंचे। लड़की का शव देखकर उन्हें लगा कि उसकी हत्या की गई है। इसके बाद, मृतका के परिवार ने निमता थाने को सूचना दी। पुलिस ने जाकर शव को बरामद किया और उसे कमरहट्टी सागर दत्ता अस्पताल ले गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतका के पति और ससुराल वालों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। निमता थाने ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे की आड़ में दलितों को रौंदती है : तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता/बलिया (उप्र) : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के बलिया में बिजली विभाग के दलित अधीक्षण अभियंता पर हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्य बिना किसी डर के दिनदहाड़े दलितों पर 'बर्बरता' के साथ हमला कर रहे हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे की आड़ में दलितों को रौंद रही है। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर अंग्रेजी में किए गए एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के बलिया में बिजली विभाग के कार्यालय में एक दलित अभियंता पर उसके ही केबिन में भाजपा के एक नेता ने बेरहमी से हमला किया। उसने उसके सिर पर जूते से वार किया, उसे बार-बार घूंसे मारे और जाति सूचक गालियां दीं। टीएमसी ने इसी पोस्ट में कहा कि भाजपा नेता दिन-दहाड़े दलितों पर बर्बरता करने का दुस्साहस कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पूरा भरोसा है कि ना तो पुलिस और ना ही व्यवस्था उनको छूने की हिम्मत करेगी। यह वही पार्टी है जो 'सबका साथ, सबका विकास' के खोखले नारों की आड़ में दलितों को जूतों और घूंसों से रौंदती है। पोस्ट में कहा गया है कि जब भाजपा नेता अपराधी बन जाते हैं और व्यवस्था उन्हें बचाने के लिए झुक जाती है, तो दलित किस न्याय की उम्मीद कर सकते हैं? जब तक भाजपा को जड़ से उखाड़ नहीं दिया जाता, दलितों पर हमले होते रहेंगे, लोकतंत्र बंधक बना रहेगा और भारत जातिगत अत्याचार की जंजीरों में जकड़ा रहेगा।

विधायक की गिरफ्तारी पर तृणमूल ने लगाया 'राजनीतिक प्रतिशोध' का आरोप

भ्रष्टाचार और टीएमसी एक ही सिक्के के दो पहलू : भाजपा

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले के बड़ंचा से तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा और केंद्र सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया। पार्टी ने सोशल मीडिशा एक्स पर लिखा कि भाजपा दो 'ई' नीति पर काम करती है। पहला 'ई' है ईसी (निर्वाचन आयोग), जिसका इस्तेमाल वोटिंग अधिकार छीनने के लिए किया जाता है। अगर यह असफल हो जाए तो दूसरा 'ई' यानी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को विपक्ष को कुचलने के लिए उतार दिया जाता है। यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं बल्कि विपक्ष खत्म करने की तानाशाही है। वरिष्ठ टीएमसी नेता जयप्रकाश मजूमदार ने कहा कि साहा को पहले भी गिरफ्तार कर महीनों हिरासत में रखा गया था, लेकिन कुछ साबित नहीं हुआ। अब फिर चुनाव से ठीक पहले गिरफ्तारी की गई है। यह केवल बदले की राजनीति है।

दूसरी तरफ, भाजपा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस और भर्ती घोटाला एक ही चीज के पर्याय बन चुके हैं। राज्य भाजपा महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने कहा कि जिन्होंने छात्रों का भविष्य लूटा, उन्हें गिरफ्तार क्यों न किया जाए? टीएमसी और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

आर्य समाज स्थापना के 150वीं जयंती पर 'सार्द्ध शताब्दी आर्य सम्मेलन

कोलकाता, समाज्ञा : आर्य समाज स्थापना के 150 वर्ष पूर्ति के उपलक्ष्य मेंप्रान्तीय आर्य वीर दल बंगाल की ओर से 'सार्द्ध शताब्दी आर्य सम्मेलन' का आयोजन 5, 6 एवं 7 सितंबर को वैदिक गुरुकुलम् बिड़ा बारासात उत्तर 24 परगना में आयोजित किया जायेगा।इस सम्मेलन को लेकर सोमवार को कार्यक्रम प्रस्तुति बैठक आयोजित की गई, जिसमें आचार्य ब्रह्मदत आर्य ने अपना वक्तव्य रखते हुए सुझाव दिया। आचार्य योगेश शास्त्री ने सभी का आभार प्रकट किया तथा सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री विनोद कुमार ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न आर्य समाजों के प्रतिनिधिगण मुख्य रूप से कपिल देव आर्य, आशीष गुप्ता,बंशरोपन आर्य, अपूर्व देव शर्मा, श्रीकान्त शर्मा, राम आर्य, विपद भंजन आर्य, गौतम गुप्त, विजय राज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नंदोत्सव पर 'जय कन्हैया लाल की...' से गूंज उठा श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम

हावड़ा, समाज्ञा

श्री श्याम मंदिर घुसुड़ीधाम में इस साल भी नंदोत्सव पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर को अनगिनत रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु बाबा श्याम के दीदार को दरबार में पहुंचने लगे। शाम को आयोजित भजनों की अमृत वर्षा का शुभारंभ नरेन्द्र सरावगी और राजेश ओझा द्वारा प्रस्तुत भजनों के साथ हुआ और इसे निरंतरता प्रदान करते हुए रजनी मूंधडा, यशस्वी बोथरा, वरूण शर्मा, आकाश अग्रवाल, ज्योति गुप्ता, अनीता शर्मा, स्वीटी पटवारी, योगेश शर्मा आदि ने भजनों के माध्यम से मंदिर प्रांगण में मथुरा-वृंदावन-गोकुल जैसा नजारा प्रस्तुत कर दिया। पूरा वातावरण 'नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की...' से गूंज उठा। आयोजन की सफलता में सुरेन्द्र अग्रवाल, कपिल- संगीता अग्रवाल, शिव प्रकाश परसरामपुरिया, सांवरमल अग्रवाल, पवन गर्ग, राजेश अग्रवाल सहित अन्य लोग सक्रिय रहे। मंदिर के प्रबंध न्यासी विनोद टिबड़ेवाल ने बताया कि 27 अगस्त को मंदिर में श्री गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है।

हावड़ा रूट पर मिनी बस सेवा बंद, यात्रियों में आक्रोश

हावड़ा, समाज्ञा

हावड़ा शिवपुर के मंदिरतला से धर्मतला के रूट पर चलने वाली मिनी बस सेवा पिछले चार दिनों से ठप पड़ी है, जिससे रोजाना हजारों यात्रियों को घर-कार्यालय जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर कुल 15 निजी बसें चलती हैं। बस मालिकों का कहना है कि एक स्थानीय युवक उन्हें लगातार धमका रहा है और रंगदारी की मांग कर रहा है। युवक खुद को सत्ता पक्ष का नेता बताकर दबाव बनाता है। मालिकों ने आरोपी का नाम नहीं बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि समस्या का स्थायी समाधान होने तक बस सेवा शुरू नहीं की जाएगी।

प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा के परिणाम किए जारी

काउंसलिंग कार्यक्रम 26 अगस्त को होगा जारी

कोलकाता, समाज्ञा : लंबे इंतजार के बाद, आखिरकार, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं। नतीजे सोमवार से राज्य संयुक्त बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध हुए है। बता दें कि इस परीक्षा के नतीजे गत 9 अगस्त को जारी होने थे। लेकिन, ओबीसी मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के कारण पूरी प्रक्रिया में देरी हुई। इस साल प्रेसीडेंसी प्रवेश परीक्षा में कुल 5,262 उम्मीदवार शामिल हुए थे। सोमवार को नतीजे जारी होने के बाद देखा गया कि 99.17 प्रतिशत उम्मीदवार पास हुए है। इस साल लड़कियों की पास दर लड़कों से ज्यादा है। प्रवेश परीक्षा में लड़कियों की पास दर 99.53 प्रतिशत और लड़कों की पास दर 98.81 प्रतिशत है। हालांकि, जब परिणामों की तुलना की जाती है, तो यह देखा जाता है कि अन्य बोर्डों के छात्रों ने सफलता के मामले में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद के तहत स्कूलों के छात्रों को पीछे छोड़ दिया है। उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में 98.76 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि अन्य बोर्ड के 99.66 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए हैं। सफल परीक्षार्थियों में 5,170 पश्चिम बंगाल के निवासी हैं और 92 छात्र अन्य राज्यों के हैं। परिणाम घोषित होने के बाद, सफल अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश काउंसलिंग शुरू होगी। विश्वविद्यालय चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम 26 अगस्त को जारी करेगा।

निरंकारी मिशन का शेवड़ाफुली में रक्तदान शिविर, 225 भक्तों ने किया रक्तदान

हुगली : सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के आशीर्वाद से संत निरंकारी सत्संग भवन, शेवड़ाफुली में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 90 महिलाओं सहित कुल 225 निरंकारी भक्तों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के लिए कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज एवं बारुईपुर जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने भाग लिया। इस टीम ने क्रमशः 104 और 121 यूनिट रक्त संग्रहित किया। आयोजन में कोलकाता जोन के जोनल इंचार्ज मोहन प्रसाद साव ने उपस्थित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक अरिंदम गुइन और पौरसभा अध्यक्ष पिंटू महतो भी मौजूद रहे। दोनों अतिथियों ने समाजसेवा के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए निरंकारी मिशन के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। ज्ञात हो कि संत निरंकारी मिशन हर वर्ष 24 अप्रैल को विशेष रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त वर्षभर देशभर में विभिन्न स्थानों पर यह सेवा निरंतर चलती रहती है, जिसमें मिशन के सेवादार लोककल्याण की भावना से प्रेरित होकर सक्रिय योगदान देते हैं।

शिविर के समापन पर सेक्टर इंचार्ज ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संत बाबा हरदेव सिंह जी के संदेश- रक्त नाड़ियों में बहना चाहिए, नालियों में नहीं -को दोहराते हुए कहा कि निरंकारी भक्त इस संदेश को अपने आचरण से सार्थक बना रहे हैं।

चित्त की निर्मलता ही मंत्र सिद्धि का आधार है : मुनिश्री जिनेश कुमार

❑ **पर्युषण पर्व का छठा दिन जप दिवस के रूप में मनाया गया**

कोलकाता, समाज्ञा : आचार्यश्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनि जिनेश कुमार ठाणा- 3 के सान्निध्य में पर्युषण का छठा दिन जप दिवस के रूप में भिक्षु विहार में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा (कोलकत्ता-पूर्वांचल) ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री जिनेश कुमार ने कहा कि मन को साधने का ऊपाय है- जप। जप का अर्थ है- मंत्र की पुनरावृत्ति। जप से चित्त प्रसन्न रहता है, सकारात्मक सोच का विकास होता है। जप से अस्थिर मन स्थिर, वक्र मन ऋजु, दुर्बल मन सबल मन हो जाता है। ज- जन्म का विच्छेद करने वाला, प - पाप का नाश करने वाला 'जप' कहलाता है। रेचक, पूरक, कुंभक, सार्विक, राजसिक, तामसिक आदि जप के प्रकार हैं। जप में श्रद्धा, एकाग्रता, अर्थबोध, उच्चारण व द्रव्य, क्षेत्र, कल भाव का ज्ञान जरुरी है। मुनिश्री ने आगे कहा कि विशिष्ट अक्षरों की संयोजना का नाम मंत्र है। मंत्र अमूर्त चिंतन है, मंत्र अचेतन शास्त्र है। मंत्रों में एक मंत्र है- नवकार मंत्र। नवकार एक शक्तिशाली मंत्र है। नवकार मंत्र के जाप से जन्मजन्मान्तर के पाप क्षय हो जाते है। इस मंत्र की आराधना से व्यक्ति समाधी, आरोग्य, बोधि को प्राप्त होता है। उपसर्ग व उपद्रव शांत होते हैं। नवकार का जप सबको करना चाहिए क्योंकि इस जप से घर में शांति का वातावरण बना रहता है, भय, चिंता, तनाव से मुक्ति मिलती है। मुनिश्री ने भगवान महावीर का जीवन दर्शन का वाचन करते हुए कहा कि भगवान महावीर लोक में उत्तम पुरुष थे। मुनिश्री ने तपस्या के प्रत्याख्यान कराए और संवत्सरी के दिन उपवास, पौषध, प्रवचन सुनने की प्रेरणा दी। मुनि परमानंद ने कहा कि जप सुरक्षा कवच का कार्य करता है। जप में अपार शक्ति होती है। मुनि कुणाल कुमार ने सुमधुर गीत का संगान करते हुए अपने विचारों कि प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल साल्टलेक, टॉलीगंज व रिसड़ा की बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे। 27 अगस्त की पर्युषण पर्व का शिखर दिन संवत्सरी महापर्व है। संवत्सरी महापर्व पर भिक्षु विहार में मुख्य प्रवचन कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे प्रारंभ होगा। अष्टप्रहरी पौषध प्रत्याख्यान प्रातः 5:15 बजे होगा। आगम उपदेश व तीर्थंकर चरित्र वाचन प्रातः 7 बजे भिक्षु विहार में प्रारंभ होगा। संवत्सरी महापर्व प्रतिक्रमण सायं 5:45 बजे प्रारंभ होगा। चार प्रहरी पौषध प्रत्याख्यान सायं 5:30 बजे होगा। 28 अगस्त को प्रातः 6 बजे सामूहिक खमतखामण का कार्यक्रम भिक्षु विहार में आयोजित होगा। यह जानकारी तेरापंथी सभा पूर्वांचल के अध्यक्ष संजय सिंघी ने दी।

रक्षा राज्यमंत्री ने एनसीसी कैडेटों से की बातचीत, बढ़ाया मनोबल

कोलकाता : अपने कोलकाता दौरे में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने शनिवार को यहां एनसीसी के बंगाल और सिक्किम निदेशालय के कैडेटों के साथ भी बातचीत की और उनका उत्साहवद्र्धन किया। मंत्री ने कैडेटों की प्रतिबद्धता, उत्साह और संगठन के आदर्श वाक्य - एकता और अनुशासन - को सच्ची तरह से प्रतिबिंबित करने के लिए सराहना की। इस दौरान 2 बंगाल नेवल यूनिट, एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) कमांडर मृण्मय घोष मौजूद रहे, जिन्होंने रक्षा राज्यमंत्री को तीनों विंग के कैडेटों से परिचय कराया। कोलकाता में सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग में हुई इस मुलाकात के दौरान रक्षा राज्यमंत्री ने सेना, नौसेना और वायुसेना विंग के कैडेटों को अपने हाथों से मिठाई भी खिलाईं। एनसीसी निदेशालय द्वारा एक बयान में बताया गया कि सेना, नौसेना और वायुसेना के कैडेटों की भागीदारी ने एनसीसी द्वारा युवाओं में पैदा की जाने वाली एकता, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को उजागर किया। उनकी प्रतिबद्धता, उत्साह और सशक्त प्रतिनिधित्व ने संगठन के आदर्श वाक्य - एकता और अनुशासन - को सच्ची तरह से प्रतिबिंबित किया।

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश, एक व्यक्ति गिरफ्तार, विस्फोटक बरामद

चंडीगढ़: पंजाब पुलिस ने सोमवार को बटाला में एक आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से चार हथगोले, एक आरडीएक्स आधारित आईईडी तथा संचार उपकरण जब्त किए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप ब्रिटेन स्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादी निशान सिंह उर्फ निशान जोडिया के निर्देश पर रखी गई थी, जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देशों के तहत काम कर रहा था, जिसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर कहा, 'बटाला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए बटाला के बलपुरा गांव से चार हथगोले, एक आरडीएक्स आधारित आईईडी और संचार उपकरण बरामद किए हैं।' उन्होंने कहा, 'एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक अन्य फरार है। उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।' यादव ने बताया कि सीमा पार के षड्यंत्र का पर्दाफाश करने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

यूपी: मकान की छत ढहने से तीन लोगों की मौत, चार घायल

बांदा (उप्र): उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले की बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के बारिश के दौरान एक मकान की छत छह गई जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में परिवार के चार अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। बिंदकी क्षेत्र की पुलिस उप-ाधीक्षक (सीओ) प्रगति यादव ने सोमवार को बताया कि रविवार को दिन भर हुई बारिश की वजह से सोमवार तड़के करीब चार बजे हरदौली गांव में एक पक्के मकान की छत गिर गई, जिसके नीचे सो रहे मुकेश कुमार (50), मां माधुरी (85), पत्नी रन्नो देवी (47), बेटी क्षमा (22), प्रकाशनी (16), कामिनी (12), बेटा प्रखर (11) दब गए। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मुकेश और उनकी मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान मुकेश की पत्नी रन्नो देवी ने भी दम तोड़ दिया। जिला चिकित्सालय में बेटी क्षमा, प्रकाशिनी, कामिनी और बेटे प्रखर का इलाज चल रहा है।

यूपी सरकार अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के नाम पर छात्रवृत्ति शुरू करेगी: मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के नाम पर एक नई छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की। शुक्ला किसी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन में भाग लेने वाले राज्य के पहले व्यक्ति हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि यह छात्रवृत्ति अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले उत्तर प्रदेश के छात्रों को सहायता प्रदान करेगी। यह घोषणा शुक्ला के सम्मान समारोह के दौरान की गई, जो ऐतिहासिक 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में रहने के बाद हाल ही में लौटे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ऐसे अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनने वाले उत्तर प्रदेश के पहले नागरिक हैं, इसलिए हम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने के इच्छुक छात्रों के लिए उनके नाम पर एक छात्रवृत्ति शुरू करेंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने कहा, ''चार साल पहले, उत्तर प्रदेश में कोई भी विश्वविद्यालय या संस्थान अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कोई पाठ्यक्रम, डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाणपत्र प्रदान नहीं करता था। आज गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय और एकेटीयू जैसे संस्थानों के साथ-साथ एक दर्जन से अधिक तकनीकी संस्थानों ने इस क्षेत्र में डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। यह हमारे संस्थानों की भारत की विकास गाथा में सक्रिय योगदान देने की इच्छा को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए उभरते वैज्ञानिक क्षेत्रों में प्रतिभाओं को पोषित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''यह सफलता केवल आज या कल के लिए नहीं है, यह भारत की गहन वैज्ञानिक विरासत का विस्तार है।

वह दिन दूर नहीं जब दुनिया 'नासा' की बजाय 'इसरो' की बात करेगी: शुभांशु शुक्ला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सपरिवार मिले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

लखनऊ: अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को कहा कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण में तेजी से आगे बढ़ रहा है और वह दिन दूर नहीं है जब दुनिया 'नासा' की बजाय 'इसरो' की बात करेगी, यह बस कुछ ही समय की बात है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिका का 'नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा), दोनों ही अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली एजेंसी हैं। 'एक्सिओम-4' मिशन की सफलता और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से अपनी सुरक्षित वापसी के बाद लखनऊ में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन समारोह में शुक्ला ने कहा,''भारत लौटने के बाद से, मैंने लोगों में हमारी अंतरिक्ष उपलब्धियों को लेकर अविश्वसनीय उत्साह महसूस किया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को मनाए हुए अभी दो साल ही हुए हैं, फिर भी इसे लेकर ज़बरदस्त उत्साह है। जैसा कि उपमुख्यमंत्री (केशव प्रसाद मौर्य) ने कहा था, वह दिन दूर नहीं जब लोग नासा की बजाय इसरो की बात करेंगे। मेरा मानना है कि यह कोई सपना नहीं, बल्कि एक हकीकत है जो साकार होने का इंतजार कर रही है।''

हमारे जवानों ने आतंकवादियों को उनका धर्म देखकर नहीं, उनका कर्म देखकर मारा: राजनाथ सिंह

जोधपुर: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का 'मुंहतोड़' जवाब दिया और निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक हमले किए। जोधपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारे युवाओं की ऊर्जा और संकल्प ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमने देखा है।... हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया है।' सिंह ने कहा कि भारत ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' के सिद्धांत में विश्वास करता है और जाति, पंथ या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करता, लेकिन आतंकवादियों ने लोगों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया। उन्होंने कहा, 'हम पूरे विश्व को ही अपना परिवार मानते हैं। जाति, धर्म, पंथ के नाम पर हम भेदभाव करने वाले नहीं हैं। लेकिन आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को मारा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हमारी सेना के जवानों ने आतंकवादियों को शह देने वालों और आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त लोगों को मारा।...उनका धर्म देखकर नहीं मारा बल्कि उनका कर्म देखकर मारा है।' उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना के बाद उन्होंने तीनों सेना प्रमुखों को बुलाया और पूछा कि क्या वे ऑपरेशन के लिए तैयार हैं? उन्होंने कहा, हमारे तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने एक स्वर में कहा, 'हम किसी भी प्रकार के ऑपरेशन के लिए तैयार हैं।' यह भारत है।' उन्होंने कहा कि इसके बाद प्रधानमंत्री ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी विशेषता थी कि आक्रमण के लिए जो लक्ष्य तय किया था... ठीक उसी लक्ष्य पर हमारी सेना ने सटीक हमला किया।

विदाई की बेला: भारतीय वायुसेना के सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान मिग-21 ने नाल में अंतिम उड़ान भरी

- पायलट सीट पर खुद बैठे वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह

बीकानेर: भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ रहे मिग-21 लड़ाकू विमानों ने बीकानेर के नाल स्थित वायुसैनिक अड्डे पर अपनी अंतिम उड़ान भरी। इन विमानों को 26 सितंबर को चंडीगढ़ में आयोजित औपचारिक सेवानिवृत्ति समारोह में अंतिम विदाई दी जाएगी। मिग-21 की प्रतीकात्मक विदाई की बेला पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने 18-19 अगस्त को नाल से मिग-21 में एकल उड़ान भरी। यह 62 वर्षों तक वायुसेना की सेवा करने वाले रूसी मूल के लड़ाकू विमान पर प्रशिक्षित पायलट की की कई पीढ़ियों के लिए एक भावुक क्षण था। एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपनी उड़ान के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'मिग-21 वर्ष 1960 के दशक में अपनी शुरुआत से ही भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमान रहा है और हम अब भी इसे इस्तेमाल कर रहे हैं। यह इतिहास में सबसे अधिक, बड़े पैमाने पर निर्मित किए गए सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों में से एक है, जिसके 11,000 से ज्यादा विमान 60 से अधिक देशों में इस्तेमाल किए जा चुके हैं।'' उन्होंने कहा,'मिग-21 के साथ मेरा पहला अनुभव 1985 में रहा जब मैंने तेजपुर में इसका टाइप-77 संस्करण उड़ाया। यह एक अद्भुत अनुभव था। यह फुर्तीला, अत्यधिक गतिशील और डिजाइन में सरल था, हालांकि इसके लिए कुछ शुरुआती प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। यह उड़ाने के लिए अद्भुत विमान है और इसे उड़ाने वाले सभी लोग इसको याद करेंगे। 'इंटरसेप्टर' के रूप में मिग-21 के शानदार काम का उल्लेख करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसे 'इंटरसेप्ट' करने के लिए बनाया गया था और इस भूमिका में इसने भारत की उल्लेखनीय सेवा की। लेकिन हर चीज का समय और स्थान होता है। तकनीक अब पुरानी हो चुकी है और उसका रखरखाव मुश्किल है। अब समय आ गया है कि तेजस, राफेल और सुखोई-30 जैसे नए मंच की ओर बढ़ा जाए।

न्यूज अपडेट

पूजा पाल ने सपा प्रमुख के 'संरक्षण' वाले गुंडों से अपनी जान को खतरा बताया, अखिलेश का पलटवार

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) से निष्कासित और कौशांबी जिले के चायल की विधायक पूजा पाल ने सोमवार को सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनकी जान को माफिया और सपा द्वारा कथित रूप से संरक्षण प्राप्त गुंडों से खतरा है। अखिलेश यादव को संबोधित एक पत्र सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पूजा पाल ने सपा शासन के दौरान 2005 में अपने पति राजू पाल की हत्या का जिक्र किया और पार्टी पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। इस पर यादव ने कहा कि आखिर उनसे यह पत्र कौन लिखवा रहा है? उपमुख्यमंत्री या कोई और? पाल ने आरोप लगाया कि सपा ने उन्हें राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस-वोटिंग' के लिए नहीं, जैसा कि व्यापक रूप से माना जाता है, बल्कि इसलिए निष्कासित किया कि उन्होंने विधानसभा में तत्कालीन माफिया अतीक अहमद का नाम लिया था। पाल ने मतदाताओं और अपने समाज के लोगों को धन्यवाद देते हुए पत्र में कहा, जब सपा सत्ता में थी, तब मेरे पति की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या के बाद भी, सपा ने अतीक अहमद के भाई अशरफ को तीन चुनावों में मेरे खिलाफ खड़ा किया। जब मुझे समर्थन की ज़रूरत थी, तब पार्टी ने मेरे पति के हत्यारों का साथ दिया।

झारखंड विधानसभा में हंगामे के कारण कार्यवाही रही बाधित

रांची: झारखंड विधानसभा में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ और सत्तापक्ष व विपक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया जिस वजह से अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो को सदन की कार्यवाही दोपहर अवकाश से पहले दो बार स्थगित करनी पड़ी। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, दोनों पक्षों के विधायक आसन के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी पार्टियों ने, सूर्या हंसदा की मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर हंगामा किया। सूर्या हंसदा की कथित तौर पर पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी। वहीं, सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के विधायकों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 130वें संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ भी प्रदर्शन किया।

ग्रेटर नोएडा: दहेज हत्याकांड में मृतका का ससुर और जेठ गिरफ्तार

नोएडा (उप्र): उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में दहेज के लिए 26 वर्षीय निक्की की कथित तौर पर हत्या के मामले में उसके ससुर और जेठ को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि आरोपियों की पहचान सतवीर भाटी (55) और रोहित भाटी (28) के रूप में हुई है, जिन्हें कासना पुलिस ने एक गुप्त सूचना और खुफिया जानकारी के आधार पर सिरसा टोल चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। निक्की का पति विपिन भाटी, जेठ रोहित, सास और ससुर उन लोगों में शामिल हैं जिनका नाम प्राथमिकी में आरोपियों के रूप में दर्ज है। चारों को गिरफ्तार कर लिया गया है। चारों के खिलाफ 22 अगस्त को कासना पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 61(2) (आजीवन कारावास या अन्य दंडनीय अपराध करने का प्रयास करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद से ही रोहित फरार था। इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में आक्रोश है। निक्की को उसके पति विपिन भाटी और ससुराल वालों ने बृहस्पतिवार रात ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव स्थित उसके घर में कथित तौर पर पीटा और फिर आग लगा दी। निक्की और उसकी बड़ी बहन कंचन दोनों की शादी एक ही परिवार में हुई थी। घटना के संबंध में कंचन द्वारा बनाए गए विचलित करने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुए। एक वीडियो क्लिप में दिखाई दे रहा है कि निक्की को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है जबकि एक अन्य वीडियो क्लिप में उसे आग की लपटों में सीढ़ियों से नीचे उतरते और फिर गिरते हुए दिखाया गया है। विपिन भाटी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था और बाद में रविवार को पुलिस हिरासत से भागने की कथित कोशिश के दौरान उसके पैर में गोली मार दी गई। उसकी मां दया (55) को भी उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया।

व्रत - त्यौहार

26.08.2025 : हरितालिका तीज व्रत, चन्द्रदर्शन निषिद्ध
27.08.2025 : श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, हरितली चतुर्थी
28.08.2025 : ऋषि पंचमी व्रत, माहेश्वरी रक्षाबंधन
29.08.2025 : श्री स्कन्द षष्ठी व्रत, सूर्य षष्ठी व्रत
31.08.2025 : राधाष्टमी, दूर्वाष्टमी व्रत, महारविवार व्रत

कब किया जाएगा हरतालिका तीज व्रत का पारण?

इस साल हरतालिका तीज का पर्व 26 अगस्त, मंगलवार को मनाया जाएगा। यह पर्व विवाहित स्त्रियों के लिए अत्यधिक महत्व रखता है। यह दिन माता पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है। पुराणों में बताया गया है कि भगवान शिव को पति स्वरूप में प्राप्त करने के लिए माता पार्वती ने कठोर तपस्या की थी। उनकी भक्ति और संकल्प से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इसी तिथि पर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। तभी से अखंड सौभाग्य, दांपत्य सुख और समृद्धि के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा जाने लगा।

हरतालिका तीज का व्रत सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है, क्योंकि इसमें पूरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है। व्रत का समापन (पारण) अगले दिन सूर्योदय के बाद किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल हरतालिका तीज व्रत के पारण का शुभ समय क्या रहने वाला है।

हरतालिका तीज व्रत का पारण कब किया जाएगा?

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रखा जाता है और इसका पारण चतुर्थी तिथि पर किया जाता है। इस साल व्रत का पारण 27 अगस्त की सुबह किया जाएगा। इस दिन सूर्योदय प्रातः 05:57 बजे होगा। पारंपरिक नियमों के अनुसार महिलाएं इसी समय से व्रत का पारण कर सकती हैं।

पारण में क्या खाएं?

व्रत का पारण करते समय मीठा खाने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि मीठे से ही पारण करना चाहिए। इससे जीवन में मधुरता और सकारात्मकता आती है। इसलिए व्रत खोलते समय खीर, हलवा, सेवई, लड्डू, मालपुआ या मिठाई जैसे प्रसाद का सेवन करना चाहिए।

दान का महत्व

माना जाता है कि हरतालिका तीज की रात व्रती स्त्रियों को जागरण करना चाहिए। व्रत पूर्ण करने के बाद श्रृंगार का सामान, जैसे बिंदी, चूड़ी, साड़ी, सिंदूर या मेहंदी आदि का दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। सुहागिन स्त्रियों को यह दान करने से विशेष फल मिलता है। ऐसा करने से माता पार्वती और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में वैवाहिक सुख बना रहता है।

क्या है उल्लू का धार्मिक महत्व, जानें इसका दिखना शुभ या अशुभ

हाल ही में काशी विश्वनाथ मंदिर के शिखर पर श्वेत उल्लू को देखा गया था। इसकी तस्वीर जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस दौरान कुछ लोग इसे देवी लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक, तो कुछ अन्य शुभ संकेतों से जोड़ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक उल्लू धन की देवी लक्ष्मी जी का वाहन है। अब चूंकि लक्ष्मी जी स्वयं धन, वैभव, सौभाग्य व सुख-समृद्धि की माता है, इसलिए उल्लू का दिखना भी इन चीजों का प्रतीक माना जाता है। कहते हैं जिस भी स्थान पर उल्लू दिखाई देता है, वहां सदैव देवी का वास होता है। हालांकि, सफेद उल्लू का अपना विशेष महत्व है। इसका नजर आना किसी दुर्लभ संयोग से कम नहीं होता है। ऐसे में आइए उल्लू के धार्मिक महत्व और इससे मिलने वाले संकेतों को विस्तार से जानते हैं।

क्या है उल्लू का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में उल्लू का विशेष महत्व माना गया है। यह महालक्ष्मी का वाहन है। माना जाता है कि उल्लू का नजर आना बेहद शुभ होता है, जिसे जीवन में सकारात्मक बदलावों का संकेत माना जाता है। उल्लू रात में देखने की क्षमता के लिए मुख्य रूप से जाना जाता है। यही कारण है कि इसे अंधकार में भी सत्य को पहचानने का प्रतीक माना गया है।

कहते हैं कि अगर किसी व्यक्ति को सफेद रंग उल्लू नजर आता है, तो इसे तनाव से मुक्ति का संकेत माना जाता है। दरअसल, सफेद उल्लू शांति-पवित्रता का प्रतीक है। इसका नजर आना समस्याएं का समापन, मन की शांति, तनाव से राहत और सभी संकटों के निवारण से जोड़ा जाता है। उल्लू को आध्यात्मिक उन्नति का संकेत भी माना जाता है।

उल्लू दिखने पर क्या करें

धार्मिक मान्यताओं की माने उल्लू को देखने पर कभी भी उसे डराना व भगाना नहीं चाहिए। यह अशुभ होता है। आपको इसे देखने पर देवी लक्ष्मी के नाम का जप करना चाहिए। साथ ही शांत मन से कुछ महालक्ष्मी मंत्रों का स्मरण करें। ऐसा करना शुभ हो सकता है।

सपने में उल्लू दिखना शुभ या अशुभ

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक सपने में उल्लू नजर आना शुभ होता है। इसे महालक्ष्मी की कृपा का संकेत माना जाता है। अगर आपको यह नजर आता है, तो देवी को कमल का फूल या लाल रंग के वस्त्र अर्पित करने चाहिए। इससे जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। यही नहीं मन में चल रही नकारात्मकता से भी छुटकारा मिलता है।

27 अगस्त को गणेश चतुर्थी, जानिए क्या है स्थापना और पूजा का शुभ मुहूर्त

वैसे तो रोजाना ही भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है, लेकिन भादों माह प्रभु की उप-ासना के लिए अत्यंत शुभ है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था, जिसकी खुशी में देशभर में गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान भक्तजन घरों, दफ्तरों, दुकानों और मंदिरों में गणपति जी की मूर्ति को स्थापित करते हैं और 10 दिनों तक उनकी विधिनुसार उपासना करते हैं। इसके अलावा प्रभु की विशेष कृपा प्राप्ति के लिए मोदक, मोतीचूर लड्डू, खीर और मालपुआ जैस भोग लगाए जाते हैं, जिसे बेहद शुभ माना जाता है। इस वर्ष 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है। इस दिन गणपति जी की मूर्ति की स्थापना का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा, आइए विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी तिथि 2025

इस बार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट पर होगा। इसका समापन 27 अगस्त की दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर हो रहा है। उदया तिथि के मुताबिक गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा।

स्थापना मुहूर्त

ज्योतिषियों के मुताबिक गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के लिए 27 अगस्त को सुबह 11 बजकर 05 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 40 मिनट तक का शुभ मुहूर्त रहेगा। आप इस अवधि में गणपति जी की मूर्ति की स्थापना कर सकते हैं।

गणेश चतुर्थी दुर्लभ संयोग

इस बार गणेश चतुर्थी पर प्रीति, सर्वार्थ सिद्धि, रवि के साथ इंद्र-ब्रह्म योग का संयोग बना रहेगा। वहीं कर्क में बुध और शुक्र के होने से लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण होगा। इसके अलावा गणेश चतुर्थी पर बुधवार का महासंयोग तिथि की महत्ता को गई गुना बढ़ा रहा है।

गणेश चतुर्थी पंचांग 2025

- सूर्योदय सुबह 05 बजकर 57 मिनट पर
- सूर्यास्त शाम 06 बजकर 48 मिनट पर
- चंद्रोदय सुबह 09 बजकर 28 मिनट पर
- ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 28 मिनट से 05 बजकर 12 मिनट तक।
- विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 31 मिनट से 03 बजकर 22 मिनट तक।
- गोधूलि मुहूर्त शाम 06 बजकर 48 मिनट से 07 बजकर 10 मिनट तक।
- इस दिन निशिता मुहूर्त रात 12 बजे 12 बजकर 45 मिनट तक।

न्यूज इन ब्रीफ

ओडिशा: नदियों में उफान से राज्य के उत्तरी भागों में बाढ़

भुवनेश्वर/बालासोर/भद्रक : उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों के बड़े इलाके, नदियों आई उफान के कारण जलमग्न हो गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सबसे अधिक प्रभावित बालासोर जिले में बालीपाल, बस्ता, भोगराई और जेलेश्वर प्रखंड सुवर्णरेखा के उफान पर बहने के कारण जलमग्न हो गए। पड़ोसी भद्रक जिले में उफान पर आई बैतरणी नदी के पानी के कारण जिले के धामनगर और भंडारीप-ोहगरी प्रखंड में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गयी है। जिले के अख-आपाड़ा में नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जाजपुर के दशरथपुर ब्लॉक में कानी नदी के तटबंध में दरार आने के कारण कई गांव जलमग्न हो गए। सुंदरगढ़ जिले के कुछ हिस्से भी बैतरणी नदी के कारण जलमग्न हो गए हैं।

अदालत ने स्मृति ईरानी के शैक्षिक रिकॉर्ड की जानकारी सार्वजनिक करने के सीआईसी के आदेश को खारिज किया

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सीबीएसई को भाजपा नेता स्मृति ईरानी के दसवीं और बारहवीं कक्षा के रिकॉर्ड की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि उनकी शैक्षणिक योग्यता किसी सार्वजनिक पद पर आसीन होने या आधिकारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए किसी वैधानिक आवश्यकता वाली प्रकृति की नहीं हैं। परिणामस्वरूप, अदालत ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वह याचिका स्वीकार कर ली, जिसमें सीआईसी के 17 जनवरी, 2017 के आदेश को चुनौती दी गई थी। आदेश में उसे संबंधित अभिलेखों के निरीक्षण की सुविधा प्रदान करने और अपीलकर्ता द्वारा चुने गए दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां निःशुल्क प्रदान करने का निर्देश दिया गया था, सिवाय प्रवेश पत्र और अंकपत्र के व्यक्तिगत विवरण के...। सीआईसी के आदेशों को सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के प्रावधानों के दायरे से बाहर बताया गया।

बिना कट के रिलीज होगी योगी आदित्यनाथ पर आधारित फिल्म, सीबीएफसी को प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश

मुंबई : मुंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर कथित रूप से आधारित एक फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाने का हवाला देते हुए इसकी रिलीज को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने सेंसर बोर्ड को फिल्म 'अजय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' को प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया और कहा कि इसे बिना किसी संपादन के रिलीज किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अदालत ने फिल्म देखी है और इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। 'द मॉन्क ह्यू बिकेम चीफ मिनिस्टर' किताब से प्रेरित इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रमाणित करने से इनकार करने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर यात्रियों को 10 रुपये में मिलेगा पानी और चाय, उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन

भुवनेश्वर : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सोमवार को बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए सुलभ दरों पर खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के मकसद से 'उड़ान यात्री कैफे' की शुरुआत की। इस सुविधा का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण है कि हवाई यात्रियों को किफायती दरों पर भोजन एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाएं।

भारत, फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए

रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने की कार्य योजना पर लगी मुहर

नयी दिल्ली : भारत और फिजी ने सोमवार को रक्षा संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके फिजी के समकक्ष सितवेनी लिगामामादा राबुका के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने राबुका से वार्ता के बाद कहा कि भारत और फिजी भले ही दूर हों, लेकिन ''हमारी आकांक्षाएं समान हैं।'' दक्षिण प्रशांत के द्वीपीय राष्ट्र फिजी के प्रधानमंत्री राबुका रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। उनका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे

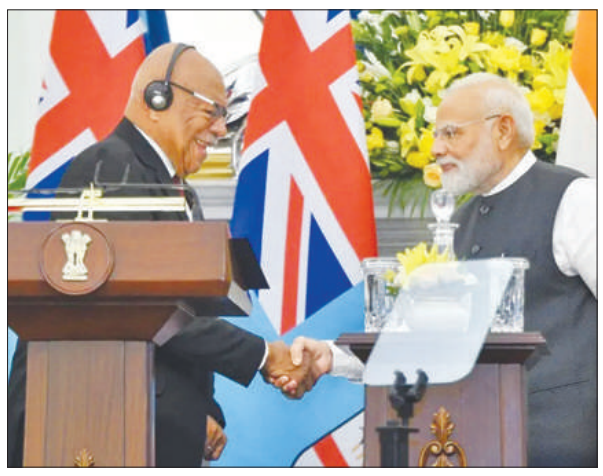

क्षेत्रों में भारत के साथ फिजी के संबंधों को मजबूत करना है। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में फिजी भारत के लिए अहम राष्ट्र है। प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ बढ़ाने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में, भारत फिजी के साथ अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। मोदी और राबुका के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने दवा, कौशल विकास, व्यापार और क्षमता निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने मीडिया को दिए अपने बयान में कहा, ''हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। भारत, फिजी की समुद्री सुरक्षा में सुधार के लिए प्रशिक्षण और उपकरणों में सहयोग प्रदान करेगा।'' उन्होंने कहा, ''हम साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण में अपना अनुभव साझा करने के लिए भी तैयार हैं।''

अहमदाबाद में रैली से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने किया रोड शो

गुवाहाटी में खराब मौसम के कारण इंडिगो की उड़ान अगरतला भेजी गई

विमान में हिमंत विश्व शर्मा भी थे

अगरतला : गुवाहाटी आ रही इंडिगो की एक उड़ान को खराब मौसम के कारण त्रिपुरा के अगरतला हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि विमान में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी सवार थे। अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम एहतियात के तौर पर उड़ान को अगरतला भेजा गया था। अगरतला स्थित महाराजा वीर विक्रम (एमवीवी) हवाई अड्डे के निदेशक के.सी. मीणा ने बताया कि गुवाहाटी में मौसम की स्थिति में सुधार होने के बाद विमान ने गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी। उन्होंने कहा, ''डिब्रूगढ़ के मोहनबाड़ी हवाई अड्डे से रवाना हुई इंडिगो की उड़ान भारी बारिश और आंधी-तूफान के कारण गुवाहाटी में नहीं उतर सकी, और एहतियात के तौर पर उसे अगरतला भेज दिया गया। बाद में उड़ान गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई।'' अगरतला हवाई अड्डे के निदेशक ने बताया कि गुवाहाटी स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की है कि विमान में शर्मा भी सवार थे। मीणा ने कहा, ''मौसम की स्थिति के कारण विमान का मार्ग परिवर्तित किया गया था और कोई तकनीकी समस्या नहीं आई।'' जैसे ही विमान अगरतला हवाई अड्डे पर उतरा, त्रिपुरा के पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी असम के मुख्यमंत्री से मिलने वहां पहुंचे।

अमेरिकी नागरिकों से 350 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़

तीन सदस्य गिरफ्तार

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक अत्याधुनिक साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो 2023 से अब तक अमेरिकी नागरिकों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है। सीबीआई ने तीन कथित धोखेबाजों को गिरफ्तार किया है, जो खुद को तकनीकी सहायता (टेक सपोर्ट) कर्मी बताकर अनजान पीड़ितों को निशाना बना रहे थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के साथ नजदीकी समन्वय में किए गए इस सटीक ऑपरेशन के परिणामस्वरूप गिरोह के तीन प्रमुख गुर्गों- जिगर अहमद, यश खुराना और इंद्रजीत सिंह बाली, को गिरफ्तार किया गया और उनके आवास से अपराध से संबंधित डिजिटल साक्ष्य के साथ-साथ 54 लाख रुपये, आठ मोबाइल और लैपटॉप बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि 18 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने 20 अगस्त से अमृतसर और दिल्ली में तलाशी अभियान शुरू किया तथा इस दौरान एक ऐसे जाल का खुलासा हुआ, जिसमें धोखाधड़ी, डिजिटल हेरफेर और वित्तीय धोखा शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, यह जाल पंजाब से लेकर अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी तक फैला था और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया गया था। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''वर्ष 2023-2025 के दौरान आरोपियों ने पीड़ितों के कंप्यूटर सिस्टम और बैंक खातों तक अनधिकृत तरीके से पहुंच प्राप्त करके अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की साजिश रची।'' धोखेबाजों ने ''रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर'' का उपयोग करते हुए अमेरिकी नागरिकों के कंप्यूटर और बैंक खातों में सेंधमारी की तथा उन्हें विश्वास दिलाया कि उनके वित्तीय खातों के साथ छेड़छाड़ की गई है। बयान में कहा गया है, ''यह दावा करते हुए कि उनकी धनराशि जोखिम में है आरोपियों ने पीड़ितों को अपने नियंत्रण वाले क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में चार करोड़ अमेरिकी डॉलर (350 करोड़ रुपये से अधिक) स्थानांतरित करने के लिए उकसाया।''

न्यायालय ने दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से माफी मांगने को कहा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के प्रस्तोता समय रैना सहित पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से कहा कि वे दिव्यांग और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों का उपहास उड़ाने के लिए अपने पॉडकास्ट या कार्यक्रम में बिना शर्त माफी मांगें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र से दिव्यांगों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को अपमानित करने या उनका उपहास उड़ाने वाले भाषणों पर अंकुश लगाने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को कहा। पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अन्य समुदायों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले व्यावसायिक भाषण पर लागू नहीं हो सकती। न्यायालय ने कहा कि वह बाद में रैना सहित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों का अपमान करने के लिए उन पर जुर्माना लगाने पर विचार करेगा। पांचों पर दिव्यांगों और 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' (एसएमए) तथा दृष्टिबाधित लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप है। सोनाली ठक्कर उर्फ सोनाली आदित्य देसाई को छोड़कर बाकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अदालत में उपस्थित थे।

'न्याय के लिए 27 साल इंतजार किया': बिजली छूट 'घोटाला' मामले में बरी हुए मंत्री मौविन गोडिन्हो

पणजी : गोवा की एक विशेष अदालत ने राज्य के परिवहन एवं पंचायती राज मंत्री मौविन गोडिन्हो को 1998 के बिजली छूट 'घोटाला' मामले में सोमवार को बरी कर दिया, जिससे 27 साल से जारी कानूनी लड़ाई का अंत हो गया। विशेष न्यायाधीश इरशाद आगा ने खुली अदालत में फैसला सुनाते हुए गोडिन्हो को कथित घोटाले से संबंधित सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। वह प्रतापसिंह राणे के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार का हिस्सा थे। अदालत ने सह-आरोपी और बिजली विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता टी नागराजन को भी बरी कर दिया है। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। इस फैसले के दौरान गोडिन्हो अदालत में मौजूद थे। उनके खिलाफ तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत मनोहर पर्रिकर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें यह आरोप लगाया था कि बिजली मंत्री के पद पर रहते हुए गोडिन्हो ने औद्योगिक इकाइयों को बिजली बिलों में 25 प्रतिशत की छूट दी, जिससे राज्य सरकार को 4.52 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पर्रिकर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि 27 जून 1998 को अधिसूचना के माध्यम से जारी की गई छूट राज्य मंत्रिमंडल से उचित परामर्श के बिना प्रदान की गई थी। गोडिन्हो ने अदालत कक्ष के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वह ''वास्तव में खुश हैं कि अंततः न्याय हुआ और उन्होंने लंबी कानूनी प्रक्रिया को 'अभियोजन' नहीं बल्कि शुरू से ही 'राजनीतिक उत्पीड़न' करार दिया। गोडिन्हो सात बार से विधायक हैं। वह 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे। आरोप पत्र के अनुसार, 27 जून 1998 की अधिसूचना के तहत औद्योगिक इकाइयों को बिजली दरों पर 25 प्रतिशत की छूट दी गई थी, जिसके तहत बिजली आपूर्ति शुरू होने के समय से ही रियायतें दी जाने लगी थीं।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने किया बइरबी-सायरंग नई रेल लाइन परियोजना का दौरा

मालीगांव : रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री सतीश कुमार ने रविवार को नवनिर्मित 51.38 किलोमीटर लंबी बइरबी-सायरंग नई रेल लाइन परियोजना का दौरा किया। यह परियोजना मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल को पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने जा रही है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, निर्माण महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सतीश कुमार ने रेल मार्ग के पुलों, सुरंगों और स्टेशनों सहित प्रमुख संरचनाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण भूभाग के बावजूद पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने सराहनीय कार्य किया है और इस बहुप्रतीक्षित परियोजना ने इंजीनियरिंग और भौगोलिक कठिनाइयों को पार कर पूर्वोत्तर में रेल कनेक्टिविटी को मज़बूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा जल्द बनने वाले हैं माता पिता

नयी दिल्ली : बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को घोषणा की कि वे जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा था : ''1+1=3''। उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, ''हमारी छोटी सी दुनिया... रास्ते में है। शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते, धन्य महसूस कर रहे हैं।'' परिणीति और राघव की शादी वर्ष 2023 में उदयपुर में आयोजित एक समारोह में हुई थी। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को आख़िरी बार वर्ष 2024 में इम्तियाज़ अली द्वारा निर्देशित फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में दिलजीत दोसांझ के साथ देखा गया था। वह इस समय निर्देशक रेंजिल डी'सिल्वा की आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज़ में ताहिर राज भसीन के साथ काम कर रही हैं। राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी के नेता हैं और पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं।

अजय कुमार भल्ला ने नगालैंड के 22वें राज्यपाल के रूप में ली शपथ

कोहिमा : मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने सोमवार को यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में नगालैंड के 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। राज्यपाल ला गणेशन के निधन के बाद भल्ला को नागालैंड के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार ने भल्ला को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में नगालैंड के मुख्यमंत्री नीफियू रियो, उपमुख्यमंत्री टीआर जेलियांग और वाई पैटन, कई राज्य मंत्री, विधायक, वरिष्ठ नौकरशाह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। शपथ ग्रहण के बाद भल्ला ने यहां राजभवन में रियो के नेतृत्व वाले राज्य मंत्रिमंडल के साथ पहली बातचीत की। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' का भी निरीक्षण किया।

उड़ान सपनों की: पुणे के जिला परिषद स्कूलों के 25 छात्र नासा यात्रा पर रवाना होंगे

पुणे : पुणे जिले के एक छोटे से गांव की किशोरी शुभ्रा रेणुसे जब अक्टूबर में होने वाली अपनी अमेरिका यात्रा के बारे में उत्साह से बात करती है तो उसकी आंखों में गर्व झलकता है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नासा) की शैक्षणिक यात्रा के लिए चुने गए, पुणे जिले के ग्रामीण स्कूलों के 25 छात्रों में 13 वर्षीय शुभ्रा शामिल है। पुणे से करीब 40 किलोमीटर दूर स्थित पाबे गांव (भोर तहसील) की कक्षा सातवीं की छात्रा ने कहा, '' मैं नासा के हालिया अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) मिशन, जिसमें सुनीता विलियम्स और उनकी टीम शामिल हैं, के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हूं। मैं भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के बारे में भी जानना चाहती हूं।'' एक अधिकारी के अनुसार, यह यात्रा पुणे जिला परिषद द्वारा 'इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स' (आईयूसीएए) के सहयोग से आयोजित की जा रही एक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाना है। जिला परिषद ग्रामीण भारत की पंचायती राज प्रणाली की शीर्ष इकाई होती है, जो जिले के स्तर पर विकास योजनाओं और सामाजिक न्याय से संबंधित कार्यों की जिम्मेदार होती है। पुणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस दौरे के माध्यम से छात्रों को व्यापक स्तर पर अनुभव देने का प्रयास किया गया है।

परीक्षा परिणामों को चुनौती देने वाले अभ्यर्थियों के लिए शुल्क व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है एसएससी

नयी दिल्ली : कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने कहा है कि परीक्षा परिणामों को चुनौती देने वाले अभ्यर्थियों के लिए शुल्क प्रणाली की समीक्षा की जा रही है। एसएससी विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में अराजपत्रित पदों के लिए परीक्षाएं आयोजित करता है। वर्तमान में, चुनौती दिये गए प्रत्येक प्रश्न/उत्तर के लिए अभ्यर्थियों से 100 रुपये का शुल्क लिया जाता है। बाइस अगस्त को जारी एक नोटिस में कहा गया है, ''आयोग किसी भी प्रश्न/उत्तर को चुनौती देने पर शुल्क वापसी व्यवस्था को लागू कर रहा है। इसके तहत, अभ्यर्थियों द्वारा दी गई चुनौती सही पाये जाने पर उन्हें उनकी पूरी शुल्क राशि वापस कर दी जाएगी।''

फ्लाई ऐश प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन : रेलवे और एनटीपीसी का साझा कदम

नोएडा : भारतीय रेल मंत्रालय और एनटीपीसी ने पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा में फ्लाई ऐश उपयोग और परिवहन पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इसमें फ्लाई ऐश उत्पादकों, उपयोगकर्ताओं, परिवहनकर्ताओं और नीतिनिर्माताओं ने भाग लिया तथा सुरक्षित और सतत प्रबंधन पर रोडमैप तैयार किया। कार्यक्रम में सीईए अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, रेल मंत्रालय के सदस्य (संचालन एवं व्यवसाय विकास) हितेन्द्र मल्होत्रा, एनटीपीसी सीएमडी गुरदीप सिंह और विद्युत मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पियूष सिंह जैसे विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में 340.11 मिलियन टन फ्लाई ऐश का उत्पादन हुआ, जिसमें से 332.63 मिलियन टन का सफल उपयोग किया गया। रेलवे ने इसे बड़े पैमाने पर परिवहन कर हरित व किफायती विकल्प उपलब्ध कराया। सरकारी नीतियों के तहत सीमेंट, सड़क निर्माण, माइनस बैकफिलिंग और ईंट निर्माण में फ्लाई ऐश उपयोग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि यह पहल परिपत्र अर्थव्यवस्था, लागत दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम है। सम्मेलन के नतीजों से देशभर में फ्लाई ऐश के सुरक्षित और सतत उपयोग के लिए ठोस रणनीतियाँ सामने आने की उम्मीद जताई गई।

प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के उल्लंघन के आधार पर अनुच्छेद 32 के तहत मृत्युदंड को चुनौती दी जा सकती है : उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि संविधान का अनुच्छेद 32 न्यायालय को प्रक्रियागत सुरक्षा उपायों के उल्लंघन के आधार पर मृत्युदंड के मामलों में सजा पर फिर से विचार करने का अधिकार देता है। न्यायालय ने मृत्युदंड की सजा पाए एक दोषी की याचिका पर फिर से सुनवाई करने पर सहमति जताते हुए यह टिप्पणी की। नागपुर निवासी वसंत संपत दुपारे को अप्रैल 2008 में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी ठहराया गया था। उसने बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया था और शव की पहचान से बचने के लिए बच्ची के सिर को पत्थरों से कुचल दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अनुच्छेद 32 के तहत दोषी की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि प्रक्रियागत सुरक्षा उपायों का उल्लंघन हुआ है। इसमें 2022 के मनोज बनाम मध्य प्रदेश के फैसले का भी हवाला दिया गया जिसमें शीर्ष अदालत ने कई दिशानिर्देश जारी किए और अधीनस्थ अदालत को मौत की सजा देने से पहले अभियुक्त की मनोरोग और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन रिपोर्ट एकत्र करने का आदेश दिया। पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत यह न्यायालय उन मामलों में, जहां किसी आरोपी को मृत्युदंड दिया गया है, दंड निर्धारण की प्रक्रिया पर फिर से विचार करने का अधिकार रखता है, यदि यह सुनिश्चित नहीं किया गया हो कि 'मनोज बनाम मध्य प्रदेश' मामले में निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन किया गया है।

पाकिस्तान में जन्मे क्रैस्टो को 19 साल बाद मिली भारतीय नागरिकता; सावंत ने सौंपा प्रमाणपत्र

पणजी : पाकिस्तान में जन्मे ब्रेंडन वैलेंटाइन क्रैस्टो का भारतीय नागरिकता पाने का 19 साल का इंतजार सोमवार को उस वक्त खत्म हो गया, जब गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन्हें राष्ट्रीयता प्रमाणपत्र सौंपा। इसके साथ ही वह नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत यह दर्जा पाने वाले राज्य के तीसरे व्यक्ति बन गए। क्रैस्टो की जड़ें तटीय राज्य से जुड़ी हैं। वर्तमान में एक भारतीय नागरिक से विवाह करने के बाद उत्तरी गोवा के अंजुना में रह रहे हैं। सावंत ने क्रैस्टो को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपा। वह पोरवोरिम स्थित मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में आयोजित समारोह में अपने पूरे परिवार के साथ मौजूद थे। क्रैस्टो (44) को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत नागरिकता प्रदान की गई, जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित व्यक्तियों को भारतीय राष्ट्रीयता का अधिकार देता है। मुख्यमंत्री ने समारोह के बाद पत्रकारों से कहा कि गोवा के अधिकारियों को पाकिस्तान में जन्मे क्रैस्टो से सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन मिला था। उन्होंने कहा कि क्रैस्टो ने 2014 में भारतीय नागरिक मेरिलिन फर्नांडीस से विवाह किया था और दो दिसंबर 2006 से वह लगातार भारत में रह रहे हैं। सावंत ने कहा कि क्रैस्टो भारतीय राष्ट्रीयता प्राप्त करने के लिए नागरिकता अधिनियम, 1955 और 2019 के संशोधित कानून के तहत सभी शर्तों को पूरा करते हैं।

ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई नये प्रायोजक की तलाश में

नयी दिल्ली : फैंटेसी स्पोर्टस कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल प्रायोजक नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और बीसीसीआई विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने पीटीआई से कहा ,'हमारा रूख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद बीसीसीआई ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नये नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा ,' इसलिये हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है।

मीराबाई की शानदार वापसी, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

अहमदाबाद : एक साल के लंबे अंतराल के बाद वापसी करने वाली मीराबाई चानू ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा (84 किग्रा + 109 किग्रा) वजन उठाकर राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया। कुल वजन में उन्होंने पिछले रिकॉर्ड से 14 किग्रा अधिक भार उठाया। राष्ट्रीय खेलों के चैंपियन ऋषिकांत सिंह ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में 271 किग्रा (120 किग्रा + 151 किग्रा) के कुल प्रयास के साथ दिन का दूसरा स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थी। चोटिल होने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद इस 37 वर्षीय खिलाड़ी को लय हासिल करने में समय लगा। मीराबाई ने कहा, 'मैं यहां स्वर्ण पदक जीतकर सचमुच बहुत खुश हूं, क्योंकि ओलंपिक के बाद यह मेरा पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और वह भी 48 किलोग्राम वर्ग में। मुझे संदेह था कि क्या मैं इस भार वर्ग में वैसा ही प्रदर्शन कर पाऊंगी जैसा मैंने किया था। इस जीत से मेरा अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए मनोबल बढ़ेगा। '' स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला : रोहित शर्मा

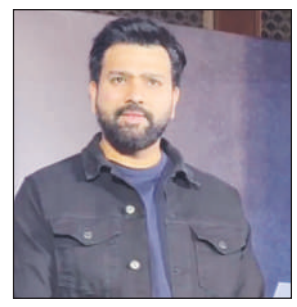

मुंबई : पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, ''यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।' उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।' रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते।

नीरू ने ट्रैप में स्वर्ण, भवनीश ने रजत और आशिमा ने कांस्य जीता

भारतीय जूनियर महिलाओं ने मारी बाजी

शिमकेंट : राष्ट्रीय खेलों की चैंपियन नीरू ढांडा ने सोमवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों में भवनीश मेंदिरत्ता ने रजत और आशिमा अहलावत ने कांस्य पदक हासिल किया। नीरू ने फाइनल में 43 अंक बनाकर कतर की बासिल रे (37) और आशिमा (29) को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। पुरुषों के ट्रैप फ़ाइनल में भवनीश मेंदिरत्ता ने 45 अंक बनाकर रजत पदक जीता। चीन के निशानेबाज़ यिंग की (47) और पेंग्यू चेन (35) ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। भवनीश क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि कायनन चेनाई 15वें स्थान पर रहे। लक्ष्य श्योराण 41वें स्थान पर रहे। इससे पहले दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। नीरू, आशिमा और प्रीति रजक ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में 319 अंक के साथ टीम स्वर्ण पदक भी जीता। भारतीय टीम चीन और कुवैत से आगे रही। नीरू और आशिमा ने शूट-ऑफ के बाद क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहकर छह महिलाओं के फाइनल में प्रवेश किया। नीरू भारतीय ट्रैप निशानेबाज लक्ष्य श्योराण की चचेरी बहन हैं और उन्हें खेलते हुए देखने के बाद उन्होंने इस खेल को अपनाया। महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल में भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही। मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया। कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता।

डायमंड लीग फाइनल में पूर्व चैंपियन चोपड़ा को मिलेगी कड़ी चुनौती

नयी दिल्ली : स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बृहस्पतिवार को स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख में डाइमंड लीग का खिताब फिर से हासिल करने की कवायद में एंडरसन पीटर्स और जूलियन वेबर जैसे प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी टक्कर मिलेगी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने 2022 में डाइमंड लीग ट्रॉफी जीती थी और 2023 तथा 2024 में उपविजेता रहे थे। नीरज ने चार क्वालीफाइंग चरण में से दो में प्रतिस्पर्धा करने के बाद चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। मौजूदा विश्व चैंपियन 27 वर्षीय नीरज ने मई में दोहा चरण में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के आंकड़े को पार किया लेकिन जर्मनी के वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। इसके बाद उन्होंने जून में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ पेरिस चरण जीता। नीरज के अलावा एंड्रियन माडरि, गत चैंपियन पीटर्स, केशोर्न वालकॉट, जूलियन वेबर और जूलियस येगो ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारत की अंडर-23 टीम की करीबी हार

कुआलालंपुर : भारतीय अंडर-23 पुरुष फुटबॉल टीम सोमवार को यहां यूएम एरिना स्टेडियम में खेले गए मैत्री मैच में इराक अंडर-23 से 1-2 से हार गई। भारतीय टीम की तरफ से एकमात्र गोल मोहम्मद सनान ने 39वें मिनट में किया। इराक की तरफ से धुल्फ़िकार यूनुस ने 36वें मिनट में पहला गोल किया। मुस्तफ़ा नवाफ़ ज़ई ने 72वें मिनट में इराक के लिए विजयी गोल दागा। भारत 28 अगस्त को मलेशिया की राजधानी में इराक के खिलाफ एक और मैत्री मैच खेलेगा। मुख्य कोच नौशाद मूसा के मार्गदर्शन में भारतीय टीम तीन से नौ सितंबर तक दोहा में होने वाले एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी कर रही है, जहां उसका सामना बहरीन (तीन सितंबर), मेज़बान कतर (छह सितंबर) और ब्रुनेई दारुस्सलाम (नौ सितंबर) से होगा।

सुब्रतो कप: असम और पश्चिम बंगाल लड़कियों के अंडर-17 वर्ग के फाइनल में

नयी दिल्ली : असम और पश्चिम बंगाल ने सोमवार को यहां अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर 64वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के जूनियर अंडर-17 लड़कियों के वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। पहले सेमीफाइनल में असम के बेटकुची हाई स्कूल ने केरल के लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल को एकतरफा मुकाबले में 4-1 से हराया। असम के लिए निलिमा ब्रह्मा ने नौवें मिनट में पहला गोल दागा जिसके बाद मारी मेच (25वें, 35वें और 48वें मिनट) ने गोल की हैट्रिक बनाई। केरल की टीम की ओर से एकमात्र गोल संजना सीएस ने 37वें मिनट में किया। दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल के नंदाझर आदिवासी पाशिली हाई स्कूल ने हरियाणा के पीएम श्री जीजीएसएसएस मंगली स्कूल को करीब मुकाबले में 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल दिव्या विश्वास ने 14वें मिनट में किया और फिर पश्चिम बंगाल की टीम ने बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की।

विश्व चैंपियनशिप में हारे लक्ष्य सेन

पेरिस : भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह सोमवार को पुरुष एकल के शुरुआती दौर में दुनिया के नंबर एक और शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शी यूकी के खिलाफ सीधे गेम में हार गए। वर्ष 2021 के कांस्य पदक विजेता 24 वर्षीय लक्ष्य को 54 मिनट में 17-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। चीन के खिलाड़ी को लंबी रैलियों में उलझाने और आक्रामक खेलने दिखाने के बावजूद लक्ष्य महत्वपूर्ण लम्हों में लड़खड़ा गए और शी के मजबूत डिफेंस तथा शानदार फिनिशिंग का तोड़ निकालने में विफल रहे। लक्ष्य पिछले साल अगस्त में ओलंपिक में दिल तोड़ने वाले चौथे स्थान की यादों को मिटाने की उम्मीद में पेरिस आए थे लेकिन शी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। शी शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने जनवरी 2024 से अब तक अपने सभी नौ फाइनल जीते हैं। शी की लक्ष्य के खिलाफ पांच मैच में यह चौथी जीत है। मैच की शुरुआत रोमांचक रही। शुरुआत में ही 47 शॉट की रैली में सेन ने 'लाइन कॉल' का गलत आकलन करके अंक गंवाया जिससे शी ने 3-2 की बढ़त बनाई। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दो तेज स्मैश के साथ 10-6 की बढ़त बनाई लेकिन लक्ष्य ने प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का फायदा उठाकर वापसी करते हुए स्कोर 11-11 कर दिया।

समाज्ञा व्यापार

आईटी शेयरों में वाली से सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी भी लाभ में

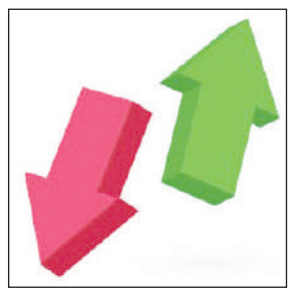

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेजी लौटी और दोनों मानक सूचकांक बढ़त में रहे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में भारी लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी 98 अंक के लाभ में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक यानी 0.40 प्रतिशत चढ़कर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 492.21 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,967.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर सबसे ज्यादा 3.03 प्रतिशत चढ़ा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 2.85 प्रतिशत, एचसीएल टेक 2.6 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.32 प्रतिशत के लाभ में रहा। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सितंबर में फेडरल रिजर्व की प्रमुख नीतिगत दर में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट की संभावना से घरेलू बाजार में सोमवार को तेजी रही।

शुल्क, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच वृद्धि पर है आरबीआई की नजर: मल्होत्रा

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि शुल्क अनिश्चितताओं एवं भू-राजनीतिक चिंताओं से उत्पन्न चुनौतियों के बीच निवेश को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट तथा बैंकों को एक साथ आने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय बैंक अब भी वृद्धि के लक्ष्य पर नजर गड़ाए हुए है। वार्षिक फिबैक कार्यक्रम में यहां गवर्नर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका और भारतीय व्यापार प्रतिनिधियों के बीच जारी बातचीत से ऐसा निर्णय निकलेगा जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था पर शुल्क का प्रभाव ''न्यूनतम'' हो जाएगा। भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिकी कदम और कपड़ा, झींगा आदि पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताओं के बीच मल्होत्रा ने भरोसा दिलाया कि यदि अर्थव्यवस्था के कुछ वर्गों को परेशानी होती है तो क्षेत्र-विशेष को मदद दी जाएगी। मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि कि मौद्रिक नीति में मुद्रास्फीति एवं वृद्धि दोनों की गतिशीलता को ध्यान में रखा जाएगा और कहा, 'हम भू-राजनीतिक मोर्चे और शुल्क से उत्पन्न चुनौतियों के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। साथ ही आर्थिक विस्तार सुनिश्चित करने के तरीकों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, '' ऐसे समय में जब बैंकों एवं कॉरपोरेट के बही-खाते अपने सबसे अच्छे स्तर पर है, उन्हें एक साथ आना चाहिए और निवेश चक्र बनाने की भावना को बढ़ावा देना चाहिए, जो इस समय बेहद महत्वपूर्ण है।'' मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय स्थिरता और मूल्य स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने से वृद्धि में कोई बाधा नहीं आती है। साथ ही वित्तीय स्थिरता एवं वृद्धि के बीच कोई ''संघर्ष'' नहीं है। वित्त वर्ष 2024-25 में कर्ज वृद्धि दर के तीन साल के निचले स्तर पर आने के बीच मल्होत्रा ने कहा, '' हम विभिन्न क्षेत्रों में बैंक ऋण का विस्तार करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं।'' मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ''बैंक ऋण बढ़ाने के तरीकों पर गौर किया जा रहा ही है।'' हालांकि, उन्होंने योजनाबद्ध कदमों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा कि कंपनियों की ओर से ऋण की मांग कम हो गई है, क्योंकि कंपनियां अपनी वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए निजी ऋण एवं पूंजी बाजारों का रुख कर रही हैं। शेट्टी उद्योग लॉबी समूह आईबीए का भी नेतृत्व करते हैं। एसबीआई चेयरमैन ने बैंकों को कम से कम शीर्ष कंपनियों के लिए अधिग्रहण वित्तपोषण की अनुमति देने का भी अनुरोध किया।

न्यूज अपडेट

सोना 200 रुपये टूटकर 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी स्थिर

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों में मंदी के रुख के अनुरूप स्टॉकिस्ट की बिकवाली के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये टूटकर 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

एनबीसीसी को मिश्रित उपयोग वाली परियोजना के विकास के लिए राजस्थान सरकार से मिला ठेका

नयी दिल्ली : सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी लि. को राजस्थान में लगभग 3,700 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से 95 एकड़ में मिश्रित उपयोग वाली परियोजना के विकास और विपणन का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे 'राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) की 95 एकड़ जमीन पर राजस्थान मंडपम सम्मेलन केंद्र, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) टावर, आईटी टावर, लक्जरी होटल और नए वाणिज्यिक एवं आवासीय बुनियादी ढांचे के डिजाइन, विनिर्माण और विपणन के लिए प्रमुख एजेंसी के रूप में चुना गया है।'' यह जमीन टोंक रोड पर बी2 बाइपास के पास स्थित है। राजस्थान सरकार ने लगभग 3,700 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली इस परियोजना को मंजूरी दे दी है।

पीएसएवी ग्लोबल नवंबर तक भारत में ऑनर स्मार्टफोन का उत्पादन करेगी शुरू

नयी दिल्ली : चीन की स्मार्टफोन कंपनी ऑनर की ब्रांड साझेदार पीएसएवी ग्लोबल 2026 की पहली तिमाही से भारत में ऑनर उपकरणों का उत्पादन शुरू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण सेवा कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। पीएसएवी ग्लोबल के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सी. पी. खंडेलवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कंपनी की योजना 'मेड इन इंडिया' ऑनर स्मार्टफोन के साथ पहले वर्ष में एक प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 2,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा।

आयकर नियम दिसंबर अंत तक होंगे अधिसूचित, करदाताओं के लिए सरल फॉर्म पर काम जारी: सीबीडीटी सदस्य

नयी दिल्ली : केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के सदस्य (विधि) आर एन परबत ने सोमवार को कहा कि आयकर विभाग सरलीकृत आयकर फॉर्म पर काम कर रहा है और अगले साल एक अप्रैल से लागू होने वाले नए आयकर अधिनियम को प्रभावी बनाने के लिए दिसंबर के अंत तक नए नियमों को अधिसूचित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग नए आयकर अधिनियम पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों का एक नया सेट और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा मार्गदर्शन नोट जारी करेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 21 अगस्त को आयकर अधिनियम, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। यह पुराने आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। संसद में इसे 12 अगस्त को मंजूरी मिली थी। परबत ने प्रक्रियाओं के अगले चरण के बारे में बताते हुए पीटीआई-भाषा से कहा कि सीबीडीटी पहले से ही नए नियम बनाने और करदाताओं को शिक्षित करने के साथ-साथ अपने अधिकारियों की क्षमता निर्माण पर काम कर रहा है, ताकि वे नए अधिनियम को समझने और लागू करने की स्थिति में हों। उन्होंने कहा, 'नियमों को नए सिरे से तैयार करने के लिए जिन सिद्धांतों का पालन किया जा रहा है, वे वही हैं जो हमने आयकर अधिनियम के लिए अपनाए थे। यानी, भाषा का सरलीकरण किया जाएगा। अनावश्यक नियमों को कानून से हटा दिया जाएगा और नए अधिनियम के लिए नए नियम और फॉर्म लागू होंगे।' सीबीडीटी ने नियम बनाने का काम 13 फरवरी, 2025 को शुरू किया था।

डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकारों के लिए रेटिंग प्रणाली की जरूरत: गडकरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले सलाहकारों के लिए एक रेटिंग प्रणाली होनी चाहिए और घटिया काम करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि खराब सड़क बनाने के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के नाम भी प्रमुखता से प्रदर्शित करने चाहिए। एक डीपीआर में सर्वेक्षण, जांच और डिजाइन शामिल हैं और यह परियोजना को लागू करने की प्रक्रिया में जरूरी है। उन्होंने खेद जताते हुए कहा कि राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारी राजमार्गों का निरीक्षण नहीं करते हैं। ऐसे में यह चलन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन लोगों को बचाता है, जो खराब गुणवत्ता वाली सड़क बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। गडकरी ने जोर देकर कहा कि अच्छे राजमार्गों का निर्माण सुनिश्चित करना उनके मंत्रालय की जिम्मेदारी है।

ओपनएआई ने शिक्षा कार्यक्रम 'भारत-प्रथम' पहल की शुरुआत की, आईआईटी मद्रास के साथ साझेदारी

नयी दिल्ली : ओपनएआई ने सोमवार को अपनी 'भारत-प्रथम' पहल की शुरुआत की, जिसका मकसद शिक्षकों को एआई माध्यमों और प्रशिक्षण की मदद से सशक्त बनाना है। इसके साथ ही कंपनी ने आईआईटी मद्रास के साथ एक नए शोध सहयोग की घोषणा की, जिसे चैटजीपीटी की कंपनी से पांच लाख अमेरिकी डॉलर का वित्तपोषण मिलेगा।

विलय, अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए भारतीय बैंक संघ आरबीआई से करेगा आग्रह: एसबीआई चेयरमैन

मुंबई : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने सोमवार को कहा कि भारतीय बैंक संघ (आईबीए) नियामक आरबीआई से बैंकों को सूचीबद्ध कंपनियों के विलय और अधिग्रहण के लिए वित्त उपलब्ध कराने की अनुमति देने का औपचारिक अनुरोध करेगा। उन्होंने निजी क्षेत्र से क्षमता विस्तार के लिए निवेश शुरू करने का भी आग्रह किया, क्योंकि सरकार पहले ही उपभोग बढ़ाने के लिए कई कदम उठा चुकी है। आईबीए के चेयरमैन की भी भूमिका निभा रहे शेट्टी ने कहा, 'हमने पहले भी विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) के वित्तपोषण के लिए भारतीय बैंकों तक पहुंच... पर बात की थी। अगर आप इसके ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को देखा जाए, तो अधिग्रहण के लिए धन मुहैया न कराने का आधार जबरन अधिग्रहण से जुड़ा है।' उन्होंने कहा, ''शुरुआत में, हम आईबीए के जरिये भारतीय रिजर्व बैंक से एक औपचारिक अनुरोध करेंगे। हम कम-से-कम कुछ सूचीबद्ध कंपनियों से शुरुआत कर सकते है, जहां अधिग्रहण अधिक पारदर्शी हो और शेयरधारकों से इन अधिग्रहण को मंजूरी मिली हो। इससे जबरिया अधिग्रहण की समस्या को कम किया जा सकता है।' शेट्टी ने उद्योग मंडल फिक्की और आईबीए द्वारा आयोजित फिबैक-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र का वर्तमान पूंजीगत व्यय उनके आंतरिक स्रोतों, इक्विटी और ऋण बाजार के जरिये वित्तपोषित किया जा रहा है। उन्होंने कंपनी जगत से आगे आकर क्षमता वृद्धि के लिए निवेश करने का आग्रह किया, क्योंकि सरकार द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जाने से खपत में तेजी आने की उम्मीद है। एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, 'बहुत से लोग यह भी कहते हैं कि पूंजीगत व्यय तभी बड़े पैमाने पर आएगा जब मांग निरंतर बनी रहेगी... जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव और 12 लाख रुपये तक की आयकर छूट समेत संरचनात्मक सुधारों के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं। जब मांग वास्तव में बड़े पैमाने पर वापस आएगी, तो कंपनियों को पूंजीगत व्यय या क्षमता उपलब्धता की कमी नहीं महसूस होनी चाहिए।'

सात साल में महिलाओं की रोजगार दर दोगुनी होकर 40.3 प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली : श्रम मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत में महिलाओं की रोजगार दर पिछले सात वर्षों में लगभग दोगुनी होकर 2023-24 में 40.3 प्रतिशत हो गई है। यह 2017-18 में 22 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस अवधि में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत पर आ गई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के तहत देश में 70 प्रतिशत महिला कार्यबल भागीदारी सुनिश्चित करना है। मंत्रालय ने कहा कि भारत में महिला कार्यबल भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पीएलएफएस (आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण) के आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं की रोजगार दर (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 40.3 प्रतिशत हो गई है। बेरोजगारी दर (यूआर) 2017-18 के 5.6 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई, जो महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3338 अंक 148, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in